तब यीशु ने आकर और बुलाया

संत युहन्ना के 11 वे अध्याये से, 18 वे पद से आरंभ करते हुए पढ़ना चाहता हूँ।

बैतनिय्याह यरूशलेम के समीप कोई दो मील की दूरी पर था।

और बहुत से यहूदी मारथा और मरियम के पास उन के भाई के विषय में शान्ति देने के लिये आए थे।

सो मारथा यीशु के आने का समचार सुनकर उस से भेंट करने को गई, परन्तु मरियम घर में बैठी रही।

मारथा ने यीशु से कहा, हे प्रभु, यदि तू यहां होता, तो मेरा भाई कदापि न मरता।

और अब भी मैं जानती हूं, कि जो कुछ तू... परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर तुझे देगा।

यीशु ने उस से कहा, तेरा भाई जी उठेगा।

मारथा ने उस से कहा, मैं जानती हूं, कि अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह जी उठेगा।

यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और... जीवन मैं ही हूं, जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।

और जो कोई जीवता है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा, क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?

उस ने उस से कहा, हां हे प्रभु, मैं विश्वास कर चुकी हूं, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था, वह तू ही है। (अब यह देखना!)

यह कहकर वह चली गई, और अपनी बहिन मरियम को चुपके से बुलाकर कहा, गुरू यहीं है, और तुझे बुलाता है।

2 अब आइये प्रार्थना करें। हमारे स्वर्गीय पिता, इन वचनों को हमारे ह्रदय में पक्का करें, जैसे हम अब आप पर रूके हुए है। तेरा वचन है, तेरा सेवक, तेरा लेख, सब कुछ तुझे समर्पण है, येशु मसीह के नाम में। आमीन।

आप बैठ सकते है।

3 मेरा यहां पर होने का उद्देश्य, परमेश्वर के लोगों की सहायता करने की कोशिश करना है न ही हम इस हद तक प्रार्थना करें और बीमारों पर हाथों को रखना, लेकिन वे हमारे बीच में यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र को पहचान सकें। हम आज रात इस विषय पर बोल रहे है: *तब यीशु ने आकर और बुलाया।*

4 अब इस समय पर जिस पर हम बोल रहे हैं, यह एक बहुत ही दुख की घडी थी। यदि आपने कभी हमारे प्रभु की कहानी को पढ़ा हैं, हम देखते हैं कि वह इस लाजरस नाम के लड़के का बहुत ही अच्छा मित्र था। वो... वो उस युसूफ से दूर जाने के बाद या उसे छोड़ कर वो मार्था, मरियम और लाजरस के साथ रहने के लिए आया। और वे अच्छे मित्र थे। उनके पास... वो उनके लिए एक पास्टर के सामान था, एक—एक सच्चा मित्र। और उसके पहनने के लिए कुछ एक वस्त्र को बनाया था, एक पहनने के लिए अंगरखा, मैं विश्वास करता हूं, वे दावा करते हैं, और ये वस्त्र पूरी तरह से बिना जोड़ का बुना हुआ था। तब उन्होंने उसके लिए उन चीजों को बनाया था, क्योंकि उन्होंने उस पर विश्वास किया था। यह उनका—उनका विश्वास था, और यह देखा था। उन्होंने कलिसिया और इत्यादि को छोड़ दिया था ताकि उसका अनुकरण करें और उस दिन के लिए यह एक बड़ी बात थी, जिसके लिए शायद मृत्यु जुर्माना हो सकती थी, कलिसिया और इत्यादि से दूर रहना।

5 लेकिन यीशु, यह व्यक्ति यहाँ–वहां जाकर, जैसे उन्होंने दावा किया था, उनकी कलीसियाओ को तोड़ रहा है, और उनके याजक और—और इत्यादि लोगो के बारे में गलत बात को कह रहा है, उन्होंने सोचा, उसने उनका बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है। और—और यहां तक उसको स्वीकार करना, उनको उनके यहूदी धर्म संबंधी भवन से बाहर कर देगा। और यदि आप कलीसिया से बाहर हो जाते हैं तो, वे सोचते हैं उनके पास छुटकारे का कोई मौका नही—नही था। यदि आपका उनके किसी एक संप्रदाय से संबंध नहीं हैं, जैसे फरीसी, सादूसी और या कोई भी हो उनका कोई भी छुटकारा नहीं है, यदि आप बाहर हैं तो। और यदि उनके पास अधिकार था, वो चाबी है, और वे आपको लात मारकर बाहर कर देंगे, यदि वे चाहे तो। यह उनका अपना कहना है। कोई आश्चर्य नहीं यीशु ने कहा,

"तुम तुम्हारे रीति–रिवाजों के द्वारा परमेश्वर के वचन को बेअसर कर देते हो।" देखा?

6 और अब यह फिर से दोहराया जा रहा है, क्योंकि हम सब जानते हैं इतिहास अक्सर अपने आप में दोहराया जाता है। और यह—यह कहते हुए दुख होता है, लेकिन इसके दोहराने की भविष्यवाणी की गई थी और इसे फिर से किया जाना था।

हम देखते हैं, यीशु के बारे में सोचा नहीं था।

7 बहुत सी बार लोग मनुष्य का न्याय करना चाहते हैं, जो उनके साथ सहमत नहीं होते है। हमें ऐसा नहीं करना है। हम एक दूसरे के साथ असहमत हो सकते हैं, फिर भी मित्रतापूर्वक बने रहे। यदि मैं एक व्यक्ति के साथ ऐसे असहमत नही हो पाता हूं, और फिर भी उससे प्रेम करता हूं और उसके लिए प्रार्थना करता हूं और उससे... वचन के आधार पर उसके साथ असहमत हूं और बेहतर शिक्षा के लिए, तब मैं उसे कुछ भी नहीं कहूंगा। मैं मित्रतापूर्वक हमेशा ही उसके साथ सहमत होना चाहता हूं, क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं, और मैं—मैं निश्चय ही उसे खोना नहीं चाहूँगा। और उसे भी मेरे साथ साथ ऐसा ही करना चाहिए; हम खोना नहीं चाहेंगे। और हमारे विचारो की बुनियाद को जो वचन कहता है उस पर ही होना है। वचन को सच्चा होने दे। ना ही हमारी संस्था को या जो हमारे विचार है, लेकिन जो वो कहता है; हमारे कुछ व्यक्तिगत अनुवाद नहीं, केवल जो वचन ने कहा है।

8 एक रात को मैंने कुछ तो किया और यह लगभग अपवित्र जैसा दिखाई दिया, मैं सोचता हूं यह एक सुबह सेवकों के नाश्ते के समय पर हुआ था। मैंने यीशु को एक मुकदमे पर रख दिया। मैंने कहा, "वैसे ही जैसे उन्होंने तब किया था, बिल्कुल वैसे ही वे आज करते हैं।" हो सकता है यह अच्छा होगा यदि मैं कुछ समय के लिए दोहराऊँ तो, यदि हमारे पास समय है तो। अब मैंने कहा, हम आज देखते हैं कि...

9 लूथर के सुधार करने के समय पर, वो, उसने कहा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा। "वो मनुष्य विश्वास करता है, उसके पास यह है।" लेकिन हमने देखा उनमें से बहुतो ने कहा उन्होंने विश्वास किया और उनके पास यह नहीं था।

10 जॉन वेसली के—के दिनों में, यदि उनके पास दूसरी आशीष थी, उन्होंने इसे पवित्रीकरण कहकर बुलाया, संपूर्ण पवित्रीकरण, वे खुश थे

और उन्होंने चिल्लाया। "हरएक जन चिल्लाया, ये था।" लेकिन उन्होंने पाया उनके पास यह नहीं था। उनमें से बहुतो ने चिल्लाया था और ये नहीं था।

11 पेंटिकोस्ट के दिनों में उन्होंने कहा, "अब दान–वरदानो का लौटाया जाना आ गया है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, वो जो अन्य भाषा में बोलता है उसके पास यह है।" हम पाते हैं कि बहुत से लोगों ने अन्य भाषा में बोला और उनके पास यह नहीं था।

12 इसलिए उन्होंने कहा, "तो ठीक है, आत्मा का फल यही है वो।" ओह, नही नही आत्मा का फल नहीं है। मसीह विज्ञान के पास यह है, जहां पर मुश्किल से ही... प्रेम वो आत्मा का फल है। तब तो उनके पास दूसरे किसी से भी अधिक प्रेम है, और यीशु मसीह की दैविकता का इंकार करते हैं; वे केवल उसे एक नबी कहकर बुलाते हैं, बस एक साधारण सा व्यक्ति। देखा? इसलिए यह ऐसा नहीं करता है।

13 मैं एक मिनट के लिए इस एक सवाल को पूछता हूं। आइए यीशु को मुकदमे पर रखें। और इस मंच पर परमेश्वर मुझे इस कथन के लिए क्षमा करें, लेकिन मैं एक मिनट के लिए उसके विरोध में होना चाहता हूं, केवल आपको उजाले में लाने के लिए। समझे?

14 "अब मेरे पास आज रात आप लोग हैं; मैं आपसे बातें कर रहा हूं। मैं वापस उस दिन में जाऊंगा, जब यीशु नाजरीन धरती पर था। मैं आपके पास आता हूं, और इस यीशु नामक नाजरीन व्यक्ति के विरोध में होने का जो कारण है। अब हम सब जानते हैं कि परमेश्वर प्रेम है। बाइबल कहता है वो प्रेम है। तो ठीक है, और वो प्रेम, आत्मा सहनशीलता है, संयम, दीनता और इत्यादि, और प्रेम है। अब मैं कहता हूं, मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं। हम उस बात को लेंगे, जो हम जानते हैं, एक मसीहत।

15 "आपके इस प्राचीन याजक की ओर देखो। उसका पूर्व–पूर्व–पूर्व–पूर्वपिता याजक था। उसे एक याजक होने के लिए लेवियों की वंशावली से आना था। अब हम देखते हैं कि उसके पास जवान पुरुष के जैसा जीवन नहीं होता है, जैसे आप बाकी के लोगों के पास होता है। वो क्या करता है? वो अपना खुद का बलिदान करता है, वो वहां ऊपर होता है, जिससे की वो वचन का अध्यन कर सके, जो परमेश्वर का वचन है। वो इसमें से होकर जाता है, दिन और रात, दिन और रात, जिससे कि वो इसके हर एक शब्द को जान जाये, उसे पत्री में के हर एक वचन को जानना होता

है। उसे इसे हृदय से जानना होता है। उसे—उसे इसके बारे में कुछ तो, जिसे उसे जानना जरूरी है।

16 "और फिर इसके अलावा जब तुम्हारे माता और पिता ने विवाह किया था, किसने उन्हें पति और पत्नी होने के लिए जोड़ा था? तुम्हारे धार्मिक प्राचीन याचक ने। ये कौन था जो तुम्हारे पिता के पास आया था, जब वो आवश्यकता में था और कुछ पैसों की उसके खेती के लिए आवश्यकता थी, जो इसके लिए गिरवी रखने जा रहा था? कौन उसके साथ खड़ा था? आपका सज्जन प्राचीन याजक। उस कमरे में, जब तुम्हारी माँ तुम्हें जन्म देने जा रही थी, कौन खड़ा था? वो सज्जन प्राचीन याजक। तुम्हारे पास कौन आया जब तुम बीमार थे और आवश्यकता में थे? तुम्हारा सज्जन प्राचीन याजक। ये कौन था, जिसने तुम्हे आशीषित किया और तुम्हे परमेश्वर को सौपा था, और आठवे दिन तुम्हारा खतना किया? आपका सज्जन प्राचीन याजक। तुम्हारे माता–पिता तलाक देने पर थे, कौन उन्हें एक साथ लेकर आया, और एकसाथ उन्हें बांधे रखा? आपका सज्जन प्राचीन याजक। जब तुम्हारे पड़ोस में परेशानी थी, किसने इसे संभाला? तुम्हारा सज्जन प्राचीन याजक। निश्चय ही।

17 "अब यह सज्जन प्राचीन याजक जानता है कि बाइबल ने कहा कि परमेश्वर को बलिदान के लिए एक मेमने की आवश्यकता होती है। आप में से बहुत से लोग व्यापारी है, इसलिए आप भेड़ को नहीं बढ़ाते हैं, फिर भी परमेश्वर को एक भेड़ की आवश्यकता होती है। वे कुछ दुकानों को वहां लगाते हैं, जिससे कि—कि वे व्यापारी वहां पर जाकर और इसे खरीद सके, उनके प्राणों के लिए एक बलिदान को भेंट चढ़ाये, जिसकी परमेश्वर को आवश्यकता है।

18 "यह जवान व्यक्ति जो यीशु कहलाता है, उसने क्या किया? वो कहां से आया था? बताया गया था, वह एक कुंवारी से जन्मा है। किसने इस तरह की बेहूदा बात को सुना है? हम जानते हैं उसकी मां के पास वो था इससे पहले वो और युसूफ जन्मे थे या उसने और युसूफ ने विवाह किया था, उसका जन्म हुआ था। अब हम देखते हैं, कि उसका—उसका नाम आरंभ से ही खराब है।

19 "उसके पास कौन सी सदयस्ता का कार्ड है? यदि वो एक धार्मिक व्यक्ति था, वो कौन से झुण्ड के साथ जुड़ा था? जब तुम्हारे याजक ने

अध्यन किया, अध्यन किया, अध्यन किया, उस वचन को जानने के लिए; यहाँ पर वो आकर तोड़ने लगता है, जो उसने बनाया था। तुम उसे क्या कहोगे, 'परमेश्वर'? निश्चय ही नही।

20 "अब एक दिन की बात है जब तुम्हारे याजक ने वहां पर एक स्थान को बनाया, उस... जहां से तुम एक बलिदान को खरीद सकते हो, इस जवान पुरुष ने क्या किया? सज्ञनता? उसने मारा कुछ रस्सियों को एक साथ किया, कुछ पट्टो, और कुछ चमड़े को इकट्ठा करके और लोगों की ओर गुस्से से देखा; उन मेजो को उल्टा कर दिया, और मार कर बाहर कर दिया। और तुम उसे आत्मा के फल कहते हो, जो उनकी ओर गुस्से से देख रहा था? और देखो, मनुष्य को यहोवा की आराधना करने के सौभाग्य से वंचित कर रहा है! वे व्यापारी उसकी आराधना करना चाहते है; उसने मेमनों को नहीं चढ़ाया, वो वहां इसे खरीदने के लिए नहीं गया। और वह इसकी ओर मुडकर और उन्हें लताड़ दिया, और उन्हें वहां से भगा दिया।"

21 किसके पास वहां पर आत्मा का फल है? देखा? वहां आप हैं। देखो, यह आत्मा का कोई फल नहीं है, नाही अन्य भाषा में बोलना है, ना ही चिल्लाना है।

22 आप कहते हैं, "तब भाई ब्रन्हम, प्रमाण क्या है? वो क्या प्रमाण हैं?" उस घड़ी में वचन का प्रमाणित होना।

23 उनके पास बाइबल थी। वह बिल्कुल वही था जो यहोवा ने कहा कि होगा। इसकी कोई अनुवाद की आवश्यकता नहीं थी। इसका वहां अनुवाद हुआ। वहां पर तुम्हारा याजक था, उनके पास वो सब था और हर चीज भी नियमित थी सब कुछ था, फिर भी वचन को देखने से चूक गए। और उसने उस युग के लिए वचन को पूरा किया। यही उस युग का प्रमाण हैं।

24 लूथर के पास उसके युग का प्रमाण था, वेसली के पास उसके युग का, पेंटीकोस्ट के पास उनके युग का प्रमाण था, लेकिन हम दूसरे युग में हैं। वह बातें अच्छी हैं। लेकिन जैसे उस बालक को उंगली होती है, एक आंख, एक नाक, लेकिन कुछ समय के बाद वो एक मनुष्य जाति बन जाता है। उसे एक—एक तैयार बालक होना है; तब उसका जन्म होना है, एक प्राण होना है, शरीर, आत्मा, जिससे वो आगे बढ़ सकता है।

25 अब हम देखते हैं, यह सब यीशु ने कुछ ही देर में इसकी घोषणा कर दी थी। बस उनके लिए जिसे उसने जीवन के लिए ठहराया था, उसे देखा। ना ही बड़ी भीड़; उसकी भीड़ कभी भी कैफा की भीड़ के जैसे नहीं हो पाएगी; क्योंकि कैफा सारे राष्ट्र को इकट्ठा करके बुला सकता है। यीशु ने कुछ लोगों को ही बुलाकर इक्कठा किया। बहुतो ने उसे नही जाना। हजार गुना हजार, जब धरती पर आया था। वह धरती पर से होकर गया और उन्होंने कभी जाना भी नहीं कि वो यहां पर था।

26 वैसे ही यह फिर से होगा! वह उन्हें बुलाने के लिए आएगा, जो जीवन के लिए बुलाए गए हैं। वह जानता है, किसे जीवन के लिए बुलाया गया है। और वह ना ही... यह उसका काम है कि वो उनका ध्यान रखें।

27 अब हम यह ध्यान देते हैं, तब वे कलीसिया से बाहर आ गए, और उन्होंने उसका विश्वास किया था। हर एक चीज जो वचन ने उसके बारे में बता रहा था, वहां वो था।

28 और एक दिन उसने उसके घर को छोड़ दिया। मैं इन तीन चीजों के बारे में बोलना चाहता हूं: यीशु छोड़कर चला गया; मृत्यु का आना था; और सारी आशाये चली गयी थी। मैं कुछ मिनटों के लिए इन तीन चीजों पर बोलना चाहता हूं।

29 यीशु छोड़कर चला गया और जब वो चला जाता है, परेशानी अंदर आ जाती है। अब जब वो आपको छोड़ देता है या आपके घर को, जहां पर आप रहते हैं, परेशानी अपने मार्ग पर होती है। शैतान को एक खुला द्वार मिलता है, जब यीशु चला जाता है।

30 वह चला गया था, और—और जैसे ही वो चला गया, तब वहां पर मृत्यु आ गई। और जब यीशु बाहर निकल जाता है, मृत्यु आ जाती है। उससे अलग होना, मृत्यु है, इसलिए मृत्यु आ गई, जब यीशु चला गया था।

31 और मृत्यु लाजरस के लिए रुकी हुई थी। और तब वो एक जिस पर उन्होंने विश्वास किया और प्रेम किया, उन्होंने उसे बुलवा कर भेजा ताकि वहां आकर लाजरस के लिए प्रार्थना करें, क्योंकि उन्होंने उसे देखा था और जानते थे कि वो परमेश्वर को जानता है, कि जो कुछ भी परमेश्वर... मार्था ने वहां वापस व्यक्त किया, "जो कुछ भी तू परमेश्वर से अभी कहेगा, परमेश्वर इसे करेगा।" मार्था ने पहचान लिया था कि वो और परमेश्वर एक थे। वह उस घड़ी का वचन था, तो उसने पहचान लिया था। और वह जानती

थी, यदि वो कभी भी उसके संपर्क में आ सकती है, लेकिन वह चला गया था और वह उसे नही रोक सके थे। और उन्होंने उसे बुलवा भेजा, और वहां पर वो आने की बजाये और आगे चला गया। और उन्होंने उसे फिर से बुलवा भेजा और वो आने की बजाये और आगे चलता गया।

32 कभी–कभी हम सोचते हैं कि ऐसी बातें क्यों हो रही है, लेकिन क्या वचन यह नहीं कहता, "सारी बातें मिलकर भलाई को उत्पन्न करती है, उनके लिए जो परमेश्वर से प्रेम रखते हैं"? वह जानता है कि वो क्या कर रहा है। यदि वह देर करता है, कोई बात नहीं। वह जानता है, वह क्या कर रहा है। वहां पर एक उद्देश था।

33 हम देखते हैं कि उसने संत युहन्ना 5:19 में कहा, "मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, पुत्र अपने आप में कुछ नहीं करता है, लेकिन वो पिता को जो करते हुए देखता है।"

34 पिता ने उससे वहां से दूर चले जाने को कहा था, और उसे कुछ दिनों के लिए दूर रहना है। दिनों के समाप्त होने के बाद, तब उसने कहा, जो उसने तब कहा था, "हमारा मित्र लाजरस सो रहा है।"

और उसने कहा, "तो ठीक है वह भला करता है।"

35 उसने कहा, "वह मरा हुआ है, और तुम्हारे कारण मैं प्रसन्न हूं कि मैं वहां पर नही था।" क्योंकि वे उसके वहां पर आने के लिए कोशिश कर रहे थे ताकि उसे चंगा करे या कहे बताये क्या करना था। लेकिन वो जानता था उसे क्या करना होगा, इसलिए उसने बिल्कुल वैसा ही किया, जिसके लिए वो ठहराया गया था; वो दूर रहे। यदि आप पर ध्यान दें कि कब्र पर जब वो वापस आया, उसने व्यक्त किया कि जब वह वापस आया और इस घर को पाया।

36 सारी आशाएं जा चुकी थी। लाजरस मर गया था। हर एक घड़ी वे लगातार सोच रहे थे, "शायद हो सकता है वो दृश्य पर आ जाए। शायद हो सकता है वो दृश्य पर आ जाए। वो शायद वापस आ जाए। अतः वह मर गया। सांस उसमें से निकल चुकी थी।

37 वो बाहर निकल आये, उसे लेप लगाया, उसके शरीर से लहू को लेते हुए, उसे सन्न के कपड़ों में लपेट लिया, मसालों को लगाया, और उस पर लेप लगाया और उसे कब्र के अंदर रख दिया, उन दिनों में दफनाने के लिए

एक जमीन में खड्डा होता है, हो सकता है उस चट्टान में, कब्र के ऊपर पत्थर को रख दिया जो कि एक प्रथा थी।

38 पहला दिन गुजर गया, दूसरा दिन गुजर गया, तीसरा दिन गुजर गया, चौथा दिन गुजर गया, वह मनुष्य कब्र में पूरी तरह से सड गया था। उसकी नाक हो सकता है अन्दर चली गयी थी। मैं सोचता हूं, वही वो पहली चीज है, जो धसने लगती है, वो नाक होती है। और वह पूरी तरह से सड़ चूका था। उसकी—उसकी देह धरती की मिट्टी में वापस जा रही थी, या वापस मिल रही थी। उसका प्राण कही पर तो चार दिनों की यात्रा में उससे दूर चला गया था।

39 सारी आशाएं जो कभी उसके फिर से आने के लिए देख रही थी, वो जा चुकी थी। और फिर जब सारी आशायें जा चुकी थी... वे रुके हुए थे, "हो सकता है यदि वो पहले दिन आ जाए, दूसरे दिन!" नही। तब वह मर गया, और वह वापस नही आया था। तब व्याकुलता वहां आ गई थी।

40 कुछ समय के बाद वहां निश्चय ही किसी ने तो आकर उससे कहा, "गुरु बाहर आया है।" यहां मार्था उस रास्ते की ओर निकलती है।

41 यीशु उस अंधकार की घड़ी में आता है, जब आशा चली जाती है। यही है जो अक्सर होता है, जब वो आता है। देखा? वह आता है, उसी घोर अंधकार की घड़ी के समय पर, तब यीशु दृश्य पर उपस्थित हुआ था।

42 अब ध्यान देना उसने आकर मार्था को पुकारा। उसकी उपस्थिति ने नई आशा को लाया था। कोई परवाह नही वो लड़का मर गया था, उसकी उपस्थिति ने नई आशा को लाया था।

43 मेरे मित्रों, आप आज रात हो सकता है यहां पर बैठे हो, जब डॉक्टरों ने आपको उस कैंसर से छोड़ दिया हो, आपके हृदय की तकलीफ से। हो सकता है, आप एक पहिये वाली कुर्सी पर अपाहिज बैठे हो, सारे विज्ञान ने कहा हो, वहां पर कोई आशा नहीं है; जमा हुई कैल्शियम आपके—आपके—आपके हड्डियों में गाठ कर चुकी—चुकी हो, अब तुम उन्हें मोड़ भी नही सकते हो। या तो आपके—आपके हृदय की स्थिती ख़राब हो, डॉक्टर कहते हैं कि आप किसी भी मिनट जा सकते हैं। ओह, और बड़ी संख्या के लोग जो कैंसर या टी.बी के साथ है, हो सकता है आपके पास वो अंतिम आशा हो, और यह ऐसा दिखाई देता है, जैसे डॉक्टर ने आप से मुंह

मोड़ लिया हो। फिर भी उसकी उपस्थिति का होना और यीशु मसीह की उपस्थिति को पहचानना, आपके अंदर फिर से आशा को लाते हैं।

44 कोई भी, आपको उसी प्रकार का नाम बता सकता है। हो सकता है, आपने इससे पहले कभी भी इसे नहीं सुना हो, लेकिन कोई तो कहता है, "मैं जानता हूं, वहां पर एक कलीसिया है, जो परमेश्वर पर विश्वास करते हैं और बिमारो के लिए प्रार्थना करते हैं," अब जल्दी करे (आप मरने पर है) देखो, नई आशाएं खिलने लगती है। यह हमेशा ही ऐसे होता हैं। उस अंधकार की घड़ी में, जब अक्सर कोई तो इसके बारे में कुछ तो कहता है, आपको यीशु के बारे में बताता है। उसकी उपस्थिति नई आशा को लाती है।

45 हो सकता है, यह आज रात उसी बात को करें, जैसे इसने पिछली रात्रि को किया था, जब हम प्रमाणित वचन को किसी भी संदेह की छाया के उस पार देखते है, जिसे प्रकट और साबित किया गया है कि *वो* यीशु जो उन्नीस सौ वर्ष पहले जिया था, जो कलवरी पर मर गया, तीसरे दिन पर जी उठा और उन चेलों को दिखाई दिया और उनकी आंखों को खोला और उस दिन की प्रतिज्ञा को किया, जो ठीक आज रात अब हमारी उपस्थिति में है। यह बाध्य है, जो लोगों के लिए आशा को लाती है। नई आशाएं ऊपर आ जाती है।

46 हो सकता है किसी ने कहा हो, "कलीसिया कुछ समय के लिए एक तरह से सूखी पड़ी है। हमारे पास कुछ महीनों के लिए—के लिए—के लिए कोई भी अच्छा ताजा जल नहीं था। और हमारे पास कोई बेदारी नहीं थी। ऐसा दिखाई देता था हर एक जन पूरी तरह से बेपरवाह हो गया है, या कुछ तो और ही। हम बस कलीसिया जाते हैं, और स्तुती के गीत को गाते हैं, और कुछ संदेशों को सुनते हैं और वापस चले जाते हैं।" लेकिन अचानक ही जब हम सूखा पडना आरंभ होने लगते हैं, तब यीशु दृश्य पर आ जाता है, हमें जागृत करता है, हमारे लिए कुछ तो नया लेकर आता है। वह हमेशा ही ऐसा करने के लिए वहां पर होता है। नई आशाएं आने लगती है, जब—जब यीशु आता है। उसकी उपस्थिति नई आशा को लाती है।

47 वह जानती थी कि वह परमेश्वर का प्रकट हुआ वचन था। उसने उस युग को देखा था। या नहीं देखा होता तो वह अभी सम्प्रदाय के साथ जुडी हुई होती थी। वह अभी भी कलिसिया के साथ से संबंध रखती थी। लेकिन

उसने प्रतिज्ञा किए हुए वचन को देखा था। उसने उस प्रतिज्ञा किए हुए वचन को उसके द्वारा प्रकट होते हुए देखा था और वह जानती थी कि वह वही वो जीवित वचन था। और जब उसने इसके बारे में सुना, उसने परवाह नही की, कि कितने लोग उसकी निंदा कर रहे थे, जो कुछ भी है, उसने उसके लिए अपने आप को बाहर निकला, जितना जल्दी वो निकल सकती थी। देखा? वो जानती थी, वही वो प्रकट हुआ वचन था।

48 कोई संदेह नहीं, लेकिन जो उसने एल्रियाह के दिनों की कहानी को पढ़ा था। अब वो उस दिन का परमेश्वर का प्रकट हुआ वचन था। वह एक नबी था, और प्रभु का वचन नबी के लिए आता है। और वहां पर एक स्त्री थी जिसके पास एक छोटा बालक था, जिसे उस नबी के आशीष के द्वारा प्राप्त किया था, और उसके पास बालक था।

49 एक दिन लगभग ग्यारह बजे की बात है, उसे निश्चय ही सूरज की तेज गर्मी लग गई थी। वह पिता के साथ खेत पर था, बाइबल इसे नहीं बताता है, यह कहता है उसे तेज सूरज की गर्मी लगी थी, लेकिन उसने चिल्लाना शुरू किया, "मेरा सिर! मेरा सिर!" लगभग दिन के ग्यारह बजे थे। और उसके पिता का एक दास था, जो उसे घर लेकर गया। वो दोपहर तक अपनी मां के गोद में पड़ा रहा, और बीमार होता गया, बीमार होता गया और अंत में वह चल बसा।

50 और अब उसके निराश होने के बजाये... वे सारे पड़ोसी आकर चीखने–चिल्लाने लगे और ऐसा करते रहे, लेकिन वो माँ बुत बनी बैठी थी, उसका बालक मर गया था। वो उसे छोटे से कमरे में लेकर गई, जिसे उसने उस नबी के लिए बनाया था और उसे *इस* तरह से उसके खाट पर सुला दिया। और उसने दास से कहा, "मुझे खच्चर पर लादो, और तुम सीधे चलते जाना और तुम तब तक नही रुकना, जब तक मैं नहीं कहती हूं।" ओह, प्रभु! ऐसा ही है!

51 हमारे पास वाद–विवाद करने का और बहस करने का समय नहीं है। इससे दिन निकल जाता है। आओ आगे बढ़े। हमें वहां पर पहुँचना है। हमारी एक जरुरत है।

52 तो उसने कहा, "तुम आगे बढ़ो, तुम अपनी सवारी को धीमा मत करना, जब तक मैं तुम्हें आज्ञा ना दूं।" और वह चलते रहे, जब तक वे एल्रियाह तक न पहुंच गए।

53 एल्ियाह परमेश्वर का एक मनुष्य हुआ था, मसीह के जैसा नहीं; मसीह सारी बातों को जानता था, क्योंकि वह परमेश्वर था। एल्ियाह परमेश्वर का एक भाग था। और वो मसीह ही एल्ियाह में था। और वह उस घड़ी का संदेश था क्योंकि प्रभु का वचन उस घड़ी के लिए उस नबी के साथ था।

54 यीशु उन सारे नबियों का संपूर्णता था, उनमें से हर एक जन ने केवल उसे ही प्रकट किया। ऐसा ही है। वहां यूसुफ से लेकर, वो तीस चांदी के सिक्के, हर कहीं, उसने—उसने मसीह को चित्रित किया। वैसे ही मूसा ने भी चित्रित किया!

55 दाऊद वहां उस पहाड़ी पर एक ठुकराए हुए राजा के जैसे बैठा हुआ, रो रहा था क्योंकि उसे ठुकराया गया था। आठ सौ वर्षों के बाद दाऊद का पुत्र पहाड़ी पर बैठा हुआ था। जो मसीह की आत्मा वहां दाऊद में थी। और वह... प्रभु! वो दाऊद का मूल और वंश दोनों था। और इसलिए वो उस पहाड़ी पर एक ठुकराए हुए राजा के जैसे बैठा हुआ पुकार रहा था, "येरूशलेम, येरुशलम, कितनी बार मैंने चाहा जैसे एक मुर्गी अपने बच्चो को पंखो के नीचे रखती है।" यह क्या था? वहां पर पीछे यह मसीह था।

56 यह मसीह था जो पुकार रहा था, जब दाऊद ने भजन सहिता को लिखा, "मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया है? मैं अपनी सब हड्डियां गिन सकता हूं; वे मुझे देखते और निहारते हैं। वे मेरे पैरों और हाथो को छेदते हैं। वे मेरे वस्त्र आपस में बांटते हैं, और मेरे पहिरावे पर चिट्ठी डालते हैं।" यह मसीह था जो दाऊद में से होकर बोल रहा था। यह सही बात है। वह वचन का प्रगटीकरण था। मसीह आया ताकि उन बातों को पूरा करें, जो नबियों के द्वारा बोली गयी था, क्योंकि वचन नबियों के साथ था।

57 उसने पिछली रात को उपदेश में कहा, कि वह आया ताकि जो नबियों ने उसके बारे में कहा था वो उसे पूरा करें, क्योंकि उनके पास वचन था। और एल्ियाह परमेश्वर का नबी था, उस दिन का वो वचन था।

58 तो शुनेमिन स्त्री नबी के साथ रुकी रही, जब तक उसने आकर और परमेश्वर की सामर्थ को प्रमाणित न कर दिया, और अपने आप को उस बालक के ऊपर फैला दिया और बालक में जीवन आ गया।

59 अब मार्था को इसे पहचानना ही है, भले ही वो घर के कामों में व्यस्त रही हो, बर्तन धोना और इत्यादि काम। लेकिन वहां पर उसने अपने रंग को दिखाया। उसने दिखाया कि सचमुच में उसके अंदर क्या था। वो तुरंत

ही उसे लेने के लिए चली गई। यदि परमेश्वर एल्लियाह में था, परमेश्वर को मसीह में होना था क्योंकि उसने साबित किया था कि वो वही व्यक्ति था। आमीन। मैं इसे पसंद करता हूं, उस दृढ़ निश्चय को! वह उसके पास जाती है। वह उसे वहां ढूंढती है, जब वो उसे—उसे पा लेती है, अब याद रखना, ये जानते हुए कि वह कभी बदलता नहीं, यह कि परमेश्वर ने उसकी योजना को कभी नहीं बदला है। यदि वो एल्लियाह में था, और मुर्दे को जिला सकता था और वो मसीह में है और मुर्दे को जिला सकता है, भले ही उसने इसे नहीं किया था, क्योंकि यह वही परमेश्वर है।

60 ना ही वो अब तक कभी बदला है। बिल्कुल वैसा ही आज रात है, जैसा कि वो हमेशा रहा था। वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वह नहीं बदलता है।

61 और वह जानता है कि वह जानती है कि यह वही है जो उसमें था। देखो, कुछ ही मिनटों में इसने इसे साबित किया था, जब स्त्री ने उससे कुछ तो अपने भाई के बारे में कहा, और स्त्री ने कहा, "प्रभु, मैं विश्वास करती हूं कि आप हैं।"

62 और उसने कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। भले ही वह मर चुका है, फिर भी वह जी उठेगा। और जो कोई भी जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है वह कभी नहीं मरेगा। मैं हूं।" यही वह मैं हूं, उस जलती हुई झाड़ियों में था, उस मूसा के साथ। "मैं पुनरुत्थान हूं। मैं जीवन हूं। मैं वह दीवार था। मैं अब भी वो हूं। मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए फिर भी वह जी उठेगा। जो कोई भी जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है कभी भी नहीं मरेगा।" इस बड़े आश्वासन के बाद, जो उसके पास था कि वो परमेश्वर का प्रतिज्ञा किया हुआ वचन था; जब उसने कहा, एक नबी होने के नाते, वह झूठ नहीं बोल सकता है; इसीलिए उसने, जब उसने कहा, "मैं हूं सो हूं। मैं वह हूं, जो पुनरुत्थान और जीवन है।"

63 स्त्री ने कहा, "मैं विश्वास करती हूं, तू ही वो एक है, वो परमेश्वर का पुत्र जिसे संसार में आना चाहिए था। भले ही मेरा भाई मर गया है, वहां कब्र में पड़ा हुआ है, वह... अब उसकी देह सड़ रही है; लेकिन अब भी प्रभु, जो कुछ तू कहेगा, वह पूरा हो जाएगा।" यह सही है।

64 वह केवल उससे यही सुनना चाहती थी! आमीन। ओह, मार्था हम आज रात कहां पर हैं? "केवल वचन को बोलो; मेरा दास जी उठेगा!" केवल उससे यही कहने के लिए रुकी हुई है! वह शायद उससे कहने के लिए आए होंगे उसने इसे कहा है, लेकिन यहां वह खुद था। ओ परमेश्वर, अंधी आंखों को खोल दे, जिससे की वे इसे देख सकने में सक्षम हो! जब वह, उसकी उपस्थिति में है, वचन को बोलता है, हमेशा ही जाहिर होता है ।

65 स्त्री ने कहा, "जो कुछ तू परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर इसे तुझे दे देगा। मैं बस सुनना चाहती हूं।" वह उससे शब्द को कहते हुए सुनना चाहती थी। यही सब वह सुनना चाहती थी। केवल वचन को बोले, यही वो सब उसकी आवश्यकता थी, जो उससे सुनना था कि वह इसे करेगा।

66 और उसने इसे तब ही किया होता, लेकिन आप देखना, दर्शन के द्वारा जो पिता ने उसे दिखाया था, कि उसे कब्र के पास खड़ा होना था। ओह, प्रभु! अपने विश्वास को थाम ले! परमेश्वर हर एक चीज में सही काम करता है। यह पूरी तरह से ठीक हो जाएगा। केवल रूके रहना, जब तक वह उस कब्र के पास नहीं आ जाती है।

67 ध्यान दें, वह उसे कब्र के पास इसे कहने के लिए ले जा सकती थी, यहां तक वो... सारी आशाएं जा चुकी है, सब कुछ खत्म हुआ है। वह मरा हुआ था, कब्र में सड़ रहा था, लेकिन केवल उससे इसे कहलवाने के लिए, यही वह सब चाहती थी।

68 अब जब उसने कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं," उसने इसका विश्वास किया। उसने यह विश्वास किया था। अब ध्यान देना, अब उसे असंभव बातों को विश्वास करना था, जब उसने उसे कहते हुए सुना, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। भले ही वह मरा हुआ हो, फिर भी वह भी उठेगा और जो कोई मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी न मरेगा।" कहा, "क्या तुम इसे विश्वास करती हो? "

69 और स्त्री ने कहा, "हां प्रभु, मैं इसे विश्वास करती हूं। मैं विश्वास करती हूं कि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, जिसे संसार में आना था।" मैं इसे पसंद करता हूं। मैं इसे पसंद करता हूं।

70 मैंने—मैंने इसे पहले बताया है। अब शायद ये चीज फिर से स्थान ले सकती है। ज्यादा समय नहीं हुआ, मैं एक महिला से बात कर रहा था, यह

एक फलां कलीसिया थी, जिसका कुछ समय पहले मैंने जिक्र किया था, वो विश्वास नहीं करती हैं कि वह परमेश्वर था, उसकी देविकता को; वो केवल एक नबी था, एक साधारण सा मनुष्य था।

71 वह सच में ऐसा था। वो ये था, साथ ही, वह परमेश्वर भी था। देखो, वह प्रगटीकरण था। यीशु वह देह था, वो लड़का, वो पुरुष; परमेश्वर जो उसके अंदर वास किए हुए था। परमेश्वर उसमें था। वह एक परमेश्वर–मनुष्य था। वह एक मनुष्य था, फिर भी वो देह में प्रकट हुआ परमेश्वर था। जब हम यीशु को देखते हैं, हम परमेश्वर को देखते हैं। यही है, जो उसने कहा था, "जब तुम पिता को देखते हो, मुझे देखते हो, तुम पिता को देखते हो।" क्योंकि वह प्रतिबिंब था, क्योंकि वह वचन था, आमीन, जो वचन आदि में था।

72 उसने नबियों को "परमेश्वर" कहकर बुलाया। क्या आप यह जानते हो? उसने कहा, "तुम उन्हें 'परमेश्वर' कहकर बुलाते हो, जिनके पास परमेश्वर का वचन आता है। भला तुम मुझ पर कैसे दोष लगा सकते हो, जब मैं कहता हूं कि 'मैं परमेश्वर का पुत्र हूं'? "

73 क्योंकि उसी वचन ने कहा, वो वहां पर होगा, और वह वहां पर, वो फिर से प्रकट हुआ था। और वे इसे फिर भी विश्वास नहीं करेंगे।

74 इस महिला ने मुझसे कहा, "मैं तुम्हें साबित कर सकती हूं।" कहा, "मैं तुम्हारा प्रचार पसंद करती हूं, लेकिन वहां पर एक चीज है जो तुम बहुत ज्यादा करते हो।"

"तो ठीक हैं, वह क्या है? "

कहा, "तुम यीशु पर बहुत ही ज्यादा बडाई मारते हो।"

75 मैंने कहा, "मैं आशा करता हूं, ऐसा ही है कि वो मेरे विरुद्ध है, जब वो आता है।" और उस स्त्री ने कहा... मैंने कहा, "मैं आशा करता हूं, यही सब वो कर सकता है, यही दोष वो मुझ में पा सकता है।" मैंने कहा, "यदि मेरी दस हज़ार जुबान भी होती थी, मैं जितना बोलूं वो कम हो सकता है, ओह, प्रभु, जो वो है।"

उसने कहा, "लेकिन, तुम, तुम उसे परमेश्वर बनाते हो।"

76 मैंने कहा, "वह परमेश्वर था, या यदि वो परमेश्वर नहीं था तो, वो अब तक का संसार का सबसे बड़ा भरमाने वाला था।"

महिला ने कहा, "वह एक नबी था।"

77 मैंने कहा, "वह एक नबी था, यह सही है: एक परमेश्वर–नबी, वचन की संपूर्णता। वह नबी जिसके लिए बस वचन आया था, यही है जो उसे—जो उसे एक नबी बनाता है। लेकिन वो उस वचन की संपूर्णता था।

78 और महिला ने कहा, "मैं तुम्हें साबित कर सकती हूं।" कहा, "तुम उसे दैविकता बनाते हो।"

मैंने कहा, "वह दैविकता था।"

और महिला कहा, "वह दैविकता नही हो सकता है।"

मैंने कहा, "वह... लेकिन वह था।"

महिला ने कहा, "तुमने कहा तुम बाइबिल पर विश्वास करते हो।"

मैंने कहा, "मैं करता हूं।"

79 महिला ने कहा, "मैं तुम्हे तुम्हारी खुद की बाइबिल से साबित करूंगी कि वो वह दैविकता नही था।"

80 मैंने कहा, "इसे करो, यदि बाइबिल ऐसा कहता है तो मैं इसे विश्वास करूंगा, क्योंकि मैं विश्वास करता हूं वचन सही है।"

81 महिला ने कहा, "उस मार्ग पर लाजरस की कब्र के पास, क्या तुम्हें संत युहन्ना ग्यारह याद है? "

मैंने कहा, "निश्चय ही, महिला मुझे याद है।"

82 कहा, "तो ठीक है, अब वहां उस मार्ग पर वह रोया। बाइबल ऐसा बताता है, 'वह रोया था।' "

मैंने कहा, "निश्चय ही बाइबल कहता है कि वह रोया था।"

कहा, "कैसे हो सकता है कि वो दैविकता हो और रोया।"

मैंने कहा, "वह मनुष्य था।"

"मनुष्य और दैविकता? "

83 मैंने कहा, "हां महिला, आप देखने से चूक गयी हैं। वह एक—एक मनुष्य था, जो उनके साथ जा रहा था, उनके साथ रोओ, वे जो रोते है, यह सही बात है, उनके साथ शोक करो, वे जो शोकित है। वह एक मनुष्य था। लेकिन जब उसने अपने छोटे से दुर्बल शरीर के ढांचे को सीधा किया और कहा, 'लाजरस बाहर आ,' और एक मनुष्य जो चार दिनों से मरा हुआ

था, अपने पैरों पर खड़ा हो गया। जो बताता है वो एक मनुष्य से बढ़कर है, यह मनुष्य में परमेश्वर था।" कौन मुर्दों को जिला सकता है, परमेश्वर को छोड़? वह पुनरुत्थान और जीवन है! यह सही बात है।

84 उस रात समुंदर पर, जब वो वहां पर थका हुआ, उस नाव के पीछे की ओर सो रहा था, जहां दस हज़ार शैतानो ने उसे उस रात डुबाने की शपथ खायी थी, और वो पुरानी छोटी सी नाव और उस तूफानी समुंदर पर बोतल के ढक्कन की नाई ऊपर नीचे हो रही थी। उन शैतानों ने सोचा, "आज हम उसे डूबा देंगे, वह सो रहा है; हम सारे झुंड को ही डूबा देंगे।" ओह, वो एक मनुष्य था, थका हुआ, लेकिन जब वो एक बार जाग उठा, उसने अपने पैरों को नाव के किनारे पर रखा, और ऊपर की ओर देख कर, कहा, "शांति, थम जाओ," और हवाओ और लहरों ने उसकी आज्ञा को माना। वह एक मनुष्य से बढ़कर था।

85 वो एक मनुष्य था, जब उसे भूख लगी थी, वो पहाड़ से जब उतरा, कुछ तो खाने के लिए एक रोटी या कुछ तो देख रहा था, या एक अंजीर के पेड़ की ओर अंजीर के लिए। लेकिन जब उसने पांच रोटी और दो मछलियों को लिया, उसने पांच हज़ार लोगों को खिलाया, वह परमेश्वर उस मनुष्य में था। यह सही बात है।

86 ओह, हर एक मनुष्य जो एक पहाड़ी–ऑफ–द सेम में चढ़ा होगा वो इसे विश्वास करता है, वे सारे कवि जो यह विश्वास करते है। कोई आश्चर्य नहीं एक कवि ने लिखा:

> जीते जी उसने मुझसे प्रेम किया; और मरते हुए, उसने
> मुझे बचा लिया;
> गाढ़ा गया, वो मेरे पापों को दूर ले गया;
> जी उठ कर, उसने हमेशा के लिए धर्मी करके आजाद
> कर दिया;
> किसी दिन वह आ रहा है, ओ महिमामय दिन!

87 ऐडी पैरोनेट, वो व्यक्ति जिसके गीत नहीं बिके होंगे। एक दिन पवित्र आत्मा के प्रभाव के नीचे लड़खड़ा रहा था, उसने एक कलम को उठाया, और उसने अभिषेकीत गीत को लिखा, जब उसने लिखा:

सारा नमन यीशु के नाम की सामर्थ को है!
वे दूत गिरकर दंडवत करे;
शाही मुकुट को आगे लाते हैं,
सबका प्रभु करके उसे ताज पहनाते हैं! (हाल्लेलुया!)

88 निश्चय ही, यही है जो हम विश्वास करते हैं कि वह था। जी हाँ, श्रीमान।

89 स्त्री को अब असंभव को विश्वास करना ही था, उस दिन की आधुनिक सोच के लिए। तो क्या तुम असंभव के लिए विश्वास करते हो, ताकि नये जीवन को देखो, जिससे कुछ तो घटित होता देखो। लेकिन यदि वह पहचान गया था... वो उसे वचन जानकर पहचान गयी थी, तब असंभव बातें जगह ले सकती हैं, क्योंकि वह सृष्टिकर्ता था और हर बात जो उसने कही था, वो उसपर खड़ा होगा।

90 "और उनके लिए सारी बातें संभव है, जो विश्वास कर सकते हैं।" यही उसका वचन है। लेकिन असंभव बातें प्रकटीकरण में आ गयी, जब परमेश्वर को उसके वचन पर लिया था। जी हां, श्रीमान। जब परमेश्वर को उसके वचन पर लेता है, वे—वे असंभव बातें प्रकटीकरण में आ जाती हैं। जब परमेश्वर कहता है कि ऐसा होगा, तब आप वचन को लेते हैं और क्या देखते हैं, वह असंभव बातें घटित होती हैं। यह निश्चय ही होंगी।

91 लेकिन ध्यान रखना, यहां तक इन सारी बातों में, महिला ने कहा, "अब भी प्रभु, जो कुछ तू परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर इसे पूरा करेगा।" वह जानती थी, कि वह उस वचन को ले सकती है, जो उसमें से आयेगा। यही वो सब है, जो महिला की आवश्यकता थी, उस वचन को लेना था। हां, यह उसके लिए घोर अंधकार की घड़ी थी, और उसी दौरान यीशु ने वहां आकर और बुलाया। ओह, क्या ही वो एक बात जो उन्होंने देखी, एक पुनरुत्थान!

आइए कुछ और देखेंगे, जहां पर वो अंधकार की घड़ीयां आई थी।

92 वहां एक समय एक मनुष्य था, जिसका नाम अयूब था, जो बाइबिल में से एक सबसे पुराना नबी था। वह एक महान व्यक्ति था। उसने—उसने प्रभु से प्रेम किया, और उसने वो सब किया जो वो कैसे करना है, जानता था। शैतान ने चाहा कि उसे परखे, इसलिए उसने एक दिन परमेश्वर से कहा... हां मेरा मतलब परमेश्वर ने उससे कहा, "शैतान तुम कहां घूमते फिरते हो? "

93 उसने कहा, "ओह, मैं पृथ्वी पर इधर–उधर, ऊपर–नीचे घूम रहा हूं।"

94 उसने कहा, "क्या तुमने मेरे दास अयूब को सुविचारित किया है? उसके जैसा धरती पर कोई नहीं है। वह एक सिद्ध मनुष्य है।"

95 "ओह," उसने कहा, "निश्चय ही तुमने उसे सबकुछ दिया है, उसके लिए सब कुछ करते हो। निश्चय ही, वह एक महान पुरुष है। लेकिन एक बार उसे छोड़ मेरे लिए छोड़ दो, मैं उसके स्वर को बदल दूंगा। मैं उसे तुम्हारे मुंह पर श्राप देने को लगाऊंगा।"

96 उसने कहा, "तुम ऐसा नहीं कर सकते हो।" यही उसका एक विश्वासी पर भरोसा है। क्यों? वह असीमित है। वह अनंत है। वह आदि से लेकर समाप्ती को जानता है। वह जानता था शैतान इसे नहीं कर सकता है। क्योंकि, वह वचन है, वह जानता था कि अयूब क्या करेगा।

97 अब ध्यान रखना, अयूब को उसने फोड़े दिये, उसके बच्चों को मार दिया, वो सब कुछ ले लिया जो उसके पास था। उसकी सेहत जा चुकी थी। यहां तक उसके सांत्वना देने वाले उसके पास आए, वे उसके लिए कुछ भी नहीं कर सके, लेकिन उसे एक गुप्त पापी करके दोष लगाया। और बूढ़ा अयूब ऐसे स्थान पर आ गया, जब तक वो पूरी तरह से परेशान न हो गया।

98 आपको पहले परेशानी में जाना है। आपको एक समय के अंदर जाना है, जहां आप मार्ग के अंत पर होते हैं।

99 अयूब मार्ग के अंत के अंदर पहुंच गया, जब उसने कहा, "श्रापीत है वो दिन जिसमें मैंने जन्म लिया था। होने पाये, सूर्य यहां तक नही चमके और रात को चंद्रमा रोशनी न दे, होने पाये वह नाम कभी भी बुलाए न जाए।" और उस परेशानी के दौरान वहां यीशु आता है। उसने नीचे देखा, और कहा, "मैं देखता हूँ, एक मनुष्य के जैसे, एक फूल मरता है और ग्रीष्म ऋतु में वापस ऊपर आता है। यदि एक पेड़ नीचे चला जाता है, वह पानी की भांप के जरिये वापस ऊपर आता है।" उसने सारे भौतिक जीवन को फिर से जीते हुए देखा है, लेकिन कहा, "एक मनुष्य नीचे जाता है, अपनी आत्मा को छोड़ देता है, वो कहां पर है? " वह जान गया था, वह एक बूढ़ा मनुष्य हो गया है। उसने कहा, "उसके पुत्र उसके पास आकर शोक करने लगे और वो समझ न पाया। ओह, तू मुझे कब्र में छुपा लेगा और उस गुप्त

स्थान में रखेगा, जब तक तेरा क्रोध समाप्त न हो जाए, मेरे लिए एक समय नियुक्त कर और मुझे एक समय दें। हम चले... " और इस तरह से वह बातें करते जा रहा था। वह उसके परेशानी के अंत पर था, "क्या घटित होगा? वो पत्तियां जीती है, पेड़ों पर वापस आ जाती है, वे फूल फिर से वापस आते हैं, हर एक चीज वापस आती है, लेकिन एक मनुष्य जब नीचे चला जाता है, और आत्मा को छोड़ देता है!" वह परेशानी में था। वो नहीं जान सका था कि उसके साथ क्या होना है और उसके इस उम्र में क्या हो सकता है।

100 जब उसने यह किया, तब उसी दौरान यीशु आ गया। परमेश्वर ने उसके सर को आकाश की ओर संकेत किया, और उसने अंतिम दिनों में यीशु को आते हुए देखा।

101 और उस घोर अंधकार की घड़ी में, जब उसकी पत्नी ने कहा, "परमेश्वर को श्राप दे और मर जा," फिर भी उसने कहा, "स्त्री, तुम एक मूर्ख स्त्री की नाई बात करती हो। प्रभु ने दिया और प्रभु ने लिया, प्रभु का नाम धन्य हो।" यहां पर उसकी पत्नी उससे मुड़ गई थी। उसकी कलीसिया उससे मुड गई थी। हर एक जन उससे मुड़ गया था।

102 उस अंधकार की घड़ी में, जहां उसने नहीं जाना कि उसे वहां से कहां पर जाना है, उसी दौरान यीशु वहां पर आता है। तब वह चिल्ला उठा, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अंतिम दिनों में वह धरती पर खड़ा होगा और यदि खाल के कीडो ने इस शरीर को नष्ट भी कर दिया तो फिर भी मेरी देह परमेश्वर को देखेगी, जिसे मैं अपने आप के लिए देखूंगा।" उसके अंधकार की घड़ी में, तब उसी दौरान यीशु आता है। जी हां, श्रीमान।

103 मूसा, मूसा के लिए इस्राएल में घोर अंधकार की घड़ी आई थी। वह अपने कार्य के क्षेत्र में बिल्कुल ठीक था; उसने परमेश्वर से वहां झाड़ियों पर मुलाकात किया और कहा, "मैं जो हूं सो हूं।" वह आगे बढ़ा और सब प्रकार के नकलों से और यर्नेस और यम्ब्रेस से लड़ा, जो उसके काम की नकल करने की कोशिश कर रहे थे। इस सब में वह परमेश्वर के लिए सच्चाई से खड़ा रहा था। और अतः उसने इस्राएल को विश्वास करने को लगाया। और यहां वह मिस्त्र से बाहर आता है, ऊपर प्रतिज्ञा देश की ओर—की ओर जाते हुए, जहां परमेश्वर ने कहा था, "तुम इस पर्वत पर मेरी आराधना

करोगे।" यह परमेश्वर का वचन था। मूसा जानता था उसे उस पर्वत पर जाना था। आमीन। परमेश्वर ने ऐसा कहा है! कोई फिरौन उसे मार नहीं सकता है। कोई शैतान उसे मार नहीं सकता है। कोई भी उसे मार नहीं सकता है। उसे उस पर्वत पर आना है। आमीन! हालेलुया! मैं धर्मी महसूस कर रहा हूं। वो उस पर्वत पर जा रहा है।

104 वैसे ही हम हमारे महिमा के मार्ग पर हैं! कोई भी हमें रोक नहीं सकता है। नहीं श्रीमान। परमेश्वर उसके वचन को प्रमाणित करने जा रहा है। मैं परवाह नहीं करता कि क्या बात जगह लेती है, वह कैसे भी इसे करने जा रहा है। जी हां।

105 उसके मार्ग पर, ठीक उसके कार्य के पथ पर। यहाँ पर है, उन पहाड़ों के किनारों में बीच में। उसने पीछे कुछ सुना और वो गडगडाहट को सुनता है। यह क्या है? फिरौन की संख्या में फिरोन के रथ आते हुए; हथियार से भरे हुए और भाले और इत्यादि उन्हें गिराने के लिए और उन्हें रोंदने के लिए। वहां पर लाल समंदर है, जो उसे रोक देता है। उसने क्या किया था? वो परे... वो परेशानी में आ गया। वे सारे लोग चिल्लाने लगे, "ओह, हम अब इसके लिए ही हैं, फिरौन हमें मार डालेगा, उसकी तलवारे हम पर चलाई जायेगी। हमारे बच्चे यहाँ इस जंगल में मर जायेगे।"

मूसा चिल्ला उठा, "ओ परमेश्वर!"

106 और तब यीशु दृश्य पर आ गया। वो अग्नि का स्तंभ था। यह सही बात है। वह नीचे उतर आया और उसके और खतरे के बीच में आकर ठहर गया। आमीन। वह हमारा बिचवाई करने वाला है। वह बीच में खड़ा हुआ है, आमीन। एक मध्यस्था। यहां वो खड़ा था, वहां खड़ा हुआ है; मिस्त्रियों के लिए घोर अंधकार, वे जो इसके बारे में कुछ तो करने की कोशिश करने के लिए आ रहे थे। वह उनके लिए चलते वक्त उजीयाला था। फिर सुबह को जब हवा तेजी से बहना आरंभ हुई थी, उस रात को, तब उसने क्या किया? तब वह अग्नि के स्तंभ के रूप में आ गया था।

107 याद रखना, वह अब भी वही अग्नि का स्तंभ है। जी हां श्रीमान। जब वह धरती पर था, उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं और परमेश्वर के पास जा रहा हूं।"

108 और उसकी मृत्यु के बाद, दफनाना, पुनरुत्थान और अधिरोहण; संत पौलुस उसके दश्मिेस के मार्ग पर वह उस अग्नि के स्तंभ के द्वारा रोका

गया। याद रखना, वो एक इब्रानी था। उसने यह नहीं कहा होगा... उसने कहा, "प्रभु, आप कौन हैं? " बड़े अक्षरों में L–o–r–d, एलोहीम। "आप कौन हैं, जिसे मैं सताता हूं? "

उसने कहा, "मैं यीशु हूं।"

109 आमीन! हाल्लेलुय्या! वह पहला और अंतिम था। वह अब भी वैसा ही है। "थोड़ी देर रह गई है, संसार मुझे ना देखेगा, लेकिन तुम मुझे देखोगे, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा यहां तक मैं तुम में रहूंगा।" वही अग्नि का स्तंभ, वही परमेश्वर उन्हीं बातों को कर रहा है, उसी प्रतिज्ञा के साथ, आमीन, अपने वचन को प्रमाणित बना रहा है। "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। मैं वो हूँ जो था, वो जो है, और वो जो आने वाला है।" हाँ श्रीमान। जी हां।

"हमारे पिताओ ने जंगल में मन्ना खाया।"

110 उसने कहा, "वे, हर एक जन, मर गए। लेकिन, मैं जो हूं सो हूं।" मूसा... जलती झाड़ियों में, वो मैं हूं था। वह अब भी मैं हूँ है, नाही मैं था; मैं हूं, वर्तमान काल, जो हर समय के लिए है।

111 हम यहां पर देखते है, कि मूसा ठीक पीछे इस कोने में है और मसीह नीचे उतर आया था। अब बाइबल ने कहा, कि "और मूसा ने मसीह के कारण निन्दित होने को मिसर के भण्डार से बड़ा धन समझा।" मसीह के कारण निंदा! मसीह वह अभिषेक था, वह लोगोस जो परमेश्वर से बाहर आया। वह दूत, कोई भी बाइबल का पढ़ने वाला जानता है, कि वह दूत मसीह था। और वहां पर वह जंगल में था, और वह दृश्य पर आया, उस रूप में, जैसे उसे प्रगट होना चाहिए था। परमेश्वर की महिमा हो!

112 वह आज उस रूप में आता है, वही मसीह, उसे प्रकट कर रहा है।

113 उसने उन्हें बताया कि वह उन्हें बाहर निकलेगा। वह इसे कर रहा था। वहां वह उसके वचन के साथ खड़ा रहा ताकि इसे प्रमाणित करें। फिर बाद में उसने आकर कर दिया था, जैसे उसने मार्था के लिए किया, तब उसने बुलाया। उसने कहा, "मूसा, तू मेरे लिए क्यों दोहाई दे रहा है? इन लोगों से बातें कर कि वे आगे बढ़ें।" उस अंधकार की घड़ी में, वो लाल समुंदर खुल गया था, और वे उस ओर पार करके निकल गए, उनकी यात्रा के लिए ताकि परमेश्वर वचन को पूरा करें। हां, मूसा के घोर अंधकार की घड़ी में, तब उसी दौरान यीशु वहां पर आता है। हमारे पास अब समय है... और उसने मूसा को बुलाया।

114 हम आपका एक और छोटे व्यक्ति की ओर ध्यान दिलाना चाहते है। उसका नाम याईर था। वहां उनमें से बहुत से लोग संसार में हैं। वह एक गुप्त विश्वासी था। उसने यीशु से प्रेम किया। उसने उसके बारे में सुना था। उसने उस पर विश्वास किया था। लेकिन, आप देखना, वो एक संस्था के साथ पहले से जुड़ चूका था। जी हां। वो—वो—वो—वो बस... वह बाहर नहीं आ सका था और इसे स्वीकार किया था। उसने उसका विश्वास किया था लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया था, तो वो अविश्वासियों के साथ जुड़ गया था। लेकिन उसने असल में इसे विश्वास किया था।

115 आप जानते हैं, जब एक मनुष्य उस दशा में आ जाता है कभी–कभी परमेश्वर उसे बल परीक्षा में लेकर आता है। इस परेशानी में, जब हम सचमुच हमारे रंग को दिखाते हैं कि हम सचमुच में क्या है।

116 तो, वो वहां था, वह अविश्वासियों के साथ जुड़ चुका था, और उसने अपने नाम को उस किताब में लिखवा दिया था और इत्यादि। और वो एक याजक था, और इसलिए वो—वो शायद स्वीकार नहीं कर सकता था, क्योंकि यह उसका भोजन का साधन था। इसलिए, लेकिन उसने फिर भी यीशु पर विश्वास किया था।

117 एक दिन उसकी छोटी लड़की बीमार हो गई। ओह, प्रभु। वो, कोई संदेह नहीं वो मनुष्य यदि इस तरह... डॉक्टर को उस ने बुलाया होगा। डॉक्टर ने आकर बालक को देखा होगा। उसका बुखार बढ़ता और बढ़ता जा रहा था। कुछ देर के बाद वह बहुत ही गरम हो गई और इत्यादि, वह अंत में मृत्यु की कगार पर पहुंच गई। वह परेशानी में था। उसे—उसे बस नहीं जान पाया कि क्या करना है। अब उसने सोचा, "यदि मुझे केवल वो मिल जाये, वो जहां कहीं भी हो।" अब रात के समय होने तक वो कभी नहीं रुका था, जैसे निकुदेमुस ने किया, कि उससे एक व्यक्तिगत बातचीत को करें, यह कार्य में आने का समय था, समय आया था कि कार्य में आ जाये और तब उसे कार्य में आना ही था।

118 और मैं सोचता हूं, भाइयों, बहनों अब भी ऐसा ही है। समय आया है कि कार्य में आ जाए। समय आ गया है कि विश्वास करें या विश्वास ना करें। यह विभाजित करने वाली रेखा हर पुरुष और स्त्री के लिए आती है। यह हर एक बालक के लिए आती है। कभी–कभी जब आप उस रेखा को निकलते

हैं, वहां एक ही चीज बचती है, जो है न्याय, जब आप दया और न्याय के बीच से होकर निकलते हैं, जब आप उस रेखा को पार करते हैं।

119 याद रखना, वो परेशानी में था। वो नहीं जाना पाया कि क्या करना है। वहां पर उसके याजक खड़े थे, वे सारे रब्बी उसके चारों ओर खड़े हुए थे। उसकी संगति उसके साथ थी, वे सारे, उसकी छोटी लड़की को मरते हुए देख रहे थे। डॉक्टर वहां बाहर अपने हाथों को बांधे हुए खडा था, उसके हाथ को मिलाते हुए, "मैंने उसे हर एक दवा को दिया, जो मैं जानता था और फिर भी... "

120 देखो, यह यीशु था, जो हर समय कार्य कर रहा था। यीशु इसे एक उद्देश्य के लिए कर रहा था, ताकि उस छोटे व्यक्ति के रंग को बाहर निकाले। कुछ समय के बाद, मैं उसे देख सकता हूं कि वो जाकर टोपी को लेकर पहनता है और उसके याजक के वस्त्र को पहनता है।

"तुम कहां जा रहे हो? "

121 "मैं... मैने सुना है, वो नीचे नदी की ओर है। मैं उसके पास जा रहा हूं!" ओह, प्रभु! वह इतना दूर चला गया!

122 उस परेशानी की घड़ी में, उसे एक निर्णय को लेना था; उसके बच्चे को मरने देना या वह जानता था कि वह वचन का प्रगटीकरण था। वह एक याजक था और उसने वचन को पढा था और वह जानता था कि वो परमेश्वर का प्रगटीकरण था। परमेश्वर मसीह में था, खुद को संसार के साथ मेल मिलाप करा रहा था। वह यह जान गया था और उसे इस बात के लिए दबाव डाला गया था। उसे एक गलती को करना था, उसके बच्चे को मरने देना और या उसका स्वीकार किया जाना। जब वह उस परेशानी में आ गया, यह उस समय पर हुआ तब उसी दौरान यीशु वहां आता है। वह उसे देखने के लिए चला गया। उसने कहा, उसने कहा, "मैं तेरे साथ जाऊंगा, जो भी तू कहेगा।" और वहां रास्ते पर वहां एक दौड़ता हुआ व्यक्ति आता है, और वहां पर अंधकार की बात है। उसे स्वीकार करने को लगाती है, कि उसने उस पर विश्वास किया है। और उसने तब खुद का, सारे संस्थाओं से नाता तुड़वा दिया था और फिर खुद को लोगों के सामने नजर में लेकर आया कि वह एक यीशु पर विश्वास करने वाला था।

123 और यहां एक दौड़ता हुआ आता है, कहा, "कोई भी कष्ट मत करो, क्योंकि तुम्हारी लड़की पहले ही मर चुकी है। वह कल मर चुकी है। वह पहले ही मर चुकी थी। नहीं, इसके साथ तुम और मूर्खता मत करो।"

124 ओह, उसका छोटा सा हृदय बंद हो चुका था। लेकिन उसने देखा और उसकी आंखें यीशु पर थी, कहा, "क्या मैंने तुमसे नहीं कहा? मत डरना, यदि तू परमेश्वर की महिमा को देखना चाहता है। तू किस बात के लिए डर रहा है। मैंने तुमसे पहले ही कहा है, मैं जाऊंगा।"

125 उसने पहले ही कहा था कि वो आयेगा। उसने पहले ही कह दिया था, वो इसे करेगा, और यहां पर वो इसे कर रहा है। आमीन। उसने कहा वह अंतिम दिनों में दृश्य पर आ जाएगा और इन चीजों को करेगा, जैसे उसने किए थे, जैसे हमने पिछली रात्रि को पढ़ा और बताया। यहां वो इसे कर रहा है। तुम किस बारे में भयभीत हो?

126 याद रखना, जब वह आया और उसने मृत्यु में से उसे बुलाया। वह दृश्य पर आया और मृत्यु में से उसे बुलाया।

बूढ़ा अंधा बरतिमाई, एक समय उसके अंधकार की घड़ी में था।

127 यीशु वहां नीचे था, फुल गोस्पल व्यापारी के साथ सुबह के नाश्ते पर नीचे प्रबंध किया था और उसके साथ जक्कई था। उसने उससे एक पेड़ पर मुलाकात की थी, नीचे उस रास्ते पर। इसलिए जब वह... तो ठीक है, उसने कुछ भी और प्रबंध नहीं किया होगा, मुझे पक्का है, देखा? इसलिए फिर जब वह नीचे आया, और वो—वो उसके साथ था, जक्कई उसके साथ गया था।

128 बूढ़ा अंधा बरतिमाई, जब वह छोटा लड़का था तब से लेकर अंधा था। इसलिए उसने सोचा कि यीशु शायद उस फाटक से बाहर आएगा, और वह इंतजार कर रहा था। कुछ समय के बाद उसने बहुत शोरगुल सुना, और बहुत से लोग वहां से आने लगे थे।

129 और उसने याजक से कहते सुना, "हे! हे, तुम, तुम वहां पहाड़ी पर जा रहे हो! क्या—क्या—क्या... हमने सुना है कि तुम मुर्दों को जिलाते हो। हमारे पास यहां पर बहुत सारी उनकी भरी हुई कब्रे हैं। यदि तू मसीहा होगा, यदि तू मसीहा होगा तो तुम यहां पर आकर और मुर्दों को जिलायेगा।"

130 आप जानते है, वही वो शैतान आज भी जीवित है, देखो, धार्मिकता के रूप में, उसी तरह से। देखा?

131 "यदि तू मसीहा है, हम... तू मुर्दों को जिलाएगा; हमारे पास यहां पर बहुत सारी भरी हुई कब्रे हैं। आ।" और ओह, हर कोई चिल्ला रहा था। एक चीख रहा था "नबी को होशाना!" कोई एक *ऐसा* चिल्ला रहा था, *वैसा,* या *इस तरह* से। और बहुत ही एक गड़बड़ी थी!

132 इस बूढ़े अंधे व्यक्ति ने सोचा, "ओह, मैं उससे चुक गया। वह नीचे वहां पर आया, और मैंने सोचा कि वो यहां पर आएगा, मैं गलत स्थान पर बैठा हुआ हूं।" और उसे चिल्लाना था। उसने सोचा, "यदि वह वचन है, वह परमेश्वर है, वह इसे सुन लेगा।" इसलिए "ओ यीशु तू जो दाऊद का का पुत्र है, मुझ पर दया कर!" उस परेशानी कि घड़ी में वह पुकार उठा।

133 अब यीशु, यदि आप इसे ध्यान देंगे, वो येरियो पर था। जहां उन्होंने कहा कि वो बैठा हुआ था, जहाँ पर यीशु था वह डेढ सौ यार्ड की दूरी पर था। हजारों की संख्या में लोग उसके इर्द–गिर्द थे, वो उस व्यक्ति की पुकार को नहीं सुन पाया। नहीं। लेकिन उसने इसे महसूस किया। वह रूक गया था।

134 मैं एक रात को इस पर प्रचार करना चाहता हूं; "और तब यीशु रुक गया।" ओह! "और तब यीशु रुक गया।" ओह!

135 लेकिन जब यीशु रुक गया, यह क्या था? उसने उसे पुकारा। "गुरू आया है। चिंता मत करो," चेलो ने कहा, "वो तुझे बुलाता है। वह तुम्हें बुला रहा है।" उस भीड़ में से उसने उसे बुलाया।

वह अब उसी बात को कर रहा है। क्या यह अन्दर जा रहा है? समझे?

136 "वो गुरु आया है और वह तुम्हे बुला रहा है।" और वो अंधेपन से—से उजाले की ओर बुला रहा था, अंधकार से उजाले में। और उसने उसे बुलाया, मृत्यु से जीवन के लिए पार हो गया। "गुरु आया है और वह तुझे बुलाता है।" और जब उसने उसे बुलाया, उसने उसकी दृष्टि को वापस लौटाया।

137 वह छोटी स्त्री जो लहू की बीमारी के साथ थी, एक समय, वहां ऊपर पहाड़ी पर, उसने अपने सारे पैसे को डॉक्टरों पर लगा दिया था। कोई संदेह नहीं उस स्त्री ने सारे पशु को बेच डाला था। उन्होंने खेती को बेच डाला था और इसे गिरवी रखा था। उन्होंने सारी चीजों को डॉक्टरों पर लगा दिया था, उसमे से उसका कोई भी कोई भला न कर सका। वह निरंतर और

बदतर और बदतर होती चली गई। वो लहू नहीं रुका। निरंतर बहता और बहता जा रहा था, वह गंभीर और गंभीर होती गई।

138 और एक दिन वह ऊपर उस पहाड़ी पर बैठी हुई बुनाई कर रही थी, जहां वो रहती थी। उसने नीचे घाटी में देखा और उसने एक नाव आते देखा। हर एक जन दौड़ना आरंभ करता है, "नबी को होशाना!"

139 उसने उसके बारे में सुना था। विश्वास सुनने के द्वारा आता है। अब उसने कहा, "मैं वहां नीचे जाकर और उसे देखूंगी।"

140 और जब वो वहां नीचे चलकर गई और उसने पहले दृष्टि की, जो परमेश्वर का वचन देह में प्रकट हुआ था, वहां उसके बोलने और उसके देखने के बारे में कुछ तो अलग ही बात थी, जिससे वह जान गई कि वो वहीं था। हां, श्रीमान। "ओह, यदि मैं केवल उसका ध्यान किसी तरह से भी आकर्षित कर सकूँ, यदि मैं बस किसी भी तरह से छु लूँ!" और वह घुसकर भीड़ में से होती हुई और उसके वस्त्र को छु लिया।

141 अब याद रखना, उसने उसकी उंगली को महसूस नहीं किया। नहीं श्रीमान। क्योंकि पलिश्तीं के वस्त्र लंबे ढीले होते हैं। और वह... वे...

पतरस ने कहा, "हर एक जन ने तुझे छुआ है।"

142 उसने कहा, "लेकिन यह कुछ अलग ही प्रकार का छुना था। मैं निर्बलता को अनुभव करता हूं।"

143 यीशु आ गया था। स्त्री के पैसे खत्म हो गए थे, सब कुछ चला गया था; लेकिन उस अंधकार की घड़ी में जब लहू नहीं रुका, और डॉक्टर इसे नहीं रोक पाये, यीशु आ गया। और उसने क्या किया था उसने स्त्री को बुलाया। उसने यहां–वहां देखा जब तक उसने उसे पा न लिया, और उसने कहा, "तुम्हे लहू बहने का रोग है, लेकिन यह रुक गया है।"

144 "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" "गुरू आया है और वह तुम्हें बुलाता है। वह आ चुका है और उसने बुलाया है।" उसने उसे वापस सेहत के लिए बुलाया।

145 वह छोटी स्त्री जो कुंवे पर थी, जिसके लिए हम पिछली रात्रि को बोल रहे थे, सारी आशाएं जा चुकी थी। शायद, हो सकता है उसके पांचवे पति ने उसे छोड़ दिया था और उसने छठवें को उसी रात लिया था, और वो— वो उसके बारे में थोड़ी संदेह में थी। नैतिक रूप से, वह खत्म हो चुकी थी।

वो एक सच्ची महिला होना चाहती थी; वो, कोई संदेह नहीं वह बाइबल को पढ़ती थी।

146 और वो साथ ही वहां पर जा रही थी, लगभग ग्यारह बजे वहां पर जा रही थी। वह प्रातः को नहीं आ सकती थी जब धर्मी स्त्रियां वहां आती थी। और वो पानी को भरकर और अपने सिर घडो को उठाकर, और वापस चली जाती। और इसलिए वह नहीं आ सकती थी, ना ही उनके साथ मिल सकती थी। उनका, उनसे उस दिन में अलगाव था, सही और गलत एकसाथ मिश्रित नहीं होते थे। चरित्रहीनता उसके स्थान पर बनी हुई थी, इसलिए वो बाकी के स्त्रियो के साथ नहीं आ सकती थी। वे उसे नहीं आने देते थे। इसलिए उन सबके पानी भरने और जाने के बाद... वह अच्छी तरह से आ सकती थी।

147 और तब वो अपने सिर पर इस घड़े को लेकर वहां पर आती थी, कोई संदेह नहीं, वह साथ ही यह सोचती जा रही थी, "अब जिस मनुष्य से मैंने विवाह किया है या जिसे मैंने पिछली रात्रि को थामा है, मैं उस पर संदेह करती हूं। वह एक ऐसा पुरुष है, जो बेवकूफी की हरकत करता है। मैं—मैं तो उसके बारे में जानती भी नहीं हूं। मुझे मौका ही नहीं मिला है। मैं समाज से बाहर हूं। मैं उन कलीसिया में नहीं जा सकती हूं, वे नहीं... केवल उनकी ओर देखती हूँ! मैं नहीं जानती कि क्या करना है। मैं परेशानी में हूं। और मैं बाइबल को पढ़ती आ रही हूं; निश्चय ही, किसी दिन वह नबी दृश्य पर आ जाएगा। अब मैं जानती हूं कि उन्होंने दावा किया है वहां पर ऐसी कोई भी बात नहीं है, और यह ऐसा होगा। हो सकता है सौ वर्ष बीत गए हो और हज़ार वर्ष बीत गए हो। हम हजारों वर्षो से उसके लिए देखते आ रहे हैं और यह अब तक कभी भी नहीं हुआ है, इसलिए हम अब इसकी और नहीं देख रहे हैं। हर एक चीज ऐसे ही है, ओह, नहीं हमारे पास कलीसियाये और इत्यादि है। हमें इस तरह की कोई भी बात आवश्यकता नहीं है।" तो फिर वो साथ ही वहां पर यह सोचते हुए जा रही थी।

148 आप जानते हैं, जब आप उसके बारे में सोचते हैं, यही है जब वो आपके लिए उपस्थित हो जाता है। जैसे पिछली रात्रि को, जब वे अपने इम्माऊस के रास्ते पर जा रहे थे।

149 जब स्त्री ने उन बातों पर सोचा, उसने एक मनुष्य को कहते हुए सुना, "मुझे थोड़ा जल देना।"

150 इसके बारे में क्या है? उसके घोर अंधकार की घड़ी में, जब उसकी नैतिकता जा चुकी थी। हो सकता है, वह एक छोटी आकर्षित दिखने वाली महिला हो इस तरह जीने के लिए रास्ते पर आ गई हो। कभी–कभी यह उस छोटी महिला की गलती नहीं होती है, यह उनके माता–पिता की गलती होती है, जो उसे इस तरह से बाहर जाने देते हैं। और वहां पर वो थी, हो सकता है उसके छोटे घुंगराले बाल इस तरह से नीचे लटक रहे हो; वो समाप्त हो गयी थी, उसी दौरान वो जा रही थी, थकी हुई, और किसी के साथ भी उसका लेना–देना नहीं था, बचपन से, हो सकता है उस स्त्री के पीछे एक बहुत लम्बी कहानी हो।

151 कुछ भी हो, मैं एक बात को जानता हूं उसने बाइबल को पढा था और उसने बाइबल पर विश्वास किया था। और वहां उसके हृदय में एक छोटा सा बीज रखा हुआ था, कहते हुए, "यदि यह कभी घटित होगा, मैं इसे जान जाऊंगी।" वह इस बात के लिए पहले से ठहराई गई थी।

152 वहां पर खड़े हुए उस बूढ़े यहूदा की ओर देखना वह किस तरह से बर्ताव कर रहा था जो उसने किया। यह उसके हृदय के नीचले हिस्से में कालापन था। वो उजियाला उसके कामों पर चमक रहा था, लेकिन उसके हृदय में उसने इसे विश्वास नहीं किया था। और यहां पर वो था... देखो, वह उजियाला उस पर नहीं आ सकता था। लेकिन यहां वो स्त्री, विश्वास करती हुई, उसने इसे विश्वास किया, लेकिन उसका जीवन अंधकारमय हो गया था; जब उजियाला चमका, इसने अंधकार को निकाल लिया। लेकिन जब उजाला यहाँ उस पर चमका, यहां पर इसने पूरी तरह से अंधकारमय कर दिया। यही फर्क है।

153 देखो, उस स्त्री ने एक उद्देश्य के लिए जन्म लिया था। उसने उस स्त्री ने कहा, जब यीशु ने उसे बताया कि उसके कितने पति थे, उसने... क्या हुआ था? वह एक तरह से उत्तेजित हो गई थी। वह परेशान हो गयी। उसने कहा, "श्रीमान मैं यह मान लेती हूं कि आप एक नबी हैं। मैं जानती हूं कि जब मसीहा आएगा वह इन बातों को करेगा।"

154 तब उसने उसे बुलाया। तब उसने उसे बुलाया, "मैं ही वो हूं, वह जो तुझसे बात करता है।" उसने परमेश्वर के वचन के द्वारा उसे पहचान लिया। उसने उसे पापों से, एक जीवन के लिए बुलाया। और उसका नाम बाइबिल में है और आज उसे अमरहार जीवन मिल चूका है।

155 वह आपको उसी तरह से बुला सकता है, क्योंकि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वो...

156 जी हां, उसकी नैतिकता जा चुकी थी, लेकिन अब भी वह जानती थी कि वो परख सकता है। वह जान गयी थी कि उसे मसीहा होना था। फिर जब यीशु ने कहा, "मैं वो हूं, मैं वो हूं।" वो यह जान गयी थी।

157 एक समय चेले वहां बाहर नाव पर थे, सारी आशाएं जा चुकी थी। उस तूफान में, वे यीशु के बिना वहां दूर चले गए थे, और तूफान बिल्कुल— बिल्कुल वैसे ही था, जैसे ये लाजरस के घर पर था। सारी आशाएं जा चुकी थी। वह पुरानी छोटी नाव के अंदर पानी भर गया था। और वह चीख रहे थे और चिल्ला रहे थे, और हो सकता है प्रार्थना कर रहे थे और करते जा रहे थे और बिजलियाँ चमक रही थी, और नाव पानी से भर गई थी, वह नाव के खंभे नीचे गिर रहे थे, पतवार टूट गयी थी और वे एक दूसरे को पकड़कर पुकार कर रहे थे।

158 और वास्तव में उस अंधकार की घडी में, तब उसी दौरान यीशु वहां पर चलकर आता है। लेकिन उन्हें वो एक छाया के जैसा दिखाई दिया। वह डरावना दिखाई दिया, जैसे एक आत्मा हो, और वह डर के मारे चिल्ला उठे।

159 आज यही वो मामला है। यीशु आपके अंधकार की घड़ी में आता है, और आप इस से डरते हैं। आप नहीं जानते यह क्या है।

160 उन्होंने नहीं समझा वो क्या था। उन्होंने कहा, "ओह, यह तो एक भूत है!" वे चिल्ला रहे थे।

161 और तब उसने उन्हें बुलाया, कहा, "डरो मत, यह मैं हूं।" इस घोर अंधकार की घड़ी के दौरान यीशु आता है, उनकी मदद करने के लिए। इसी तरह से वह हमेशा ही करता है, घोर अंधकार की घड़ी में वह आता है। तब यीशु ने आकर और खुद को जाहिर किया और उनके लिए आया।

पतरस ने कहा, "यदि यह तू है तो मुझे पानी में आने की आज्ञा दे।"

यीशु ने कहा, "आ जाओ।"

162 आप क्या जानते हैं मित्रों? जल्द ही, वो इस अंतिम दिनों में उनके लिए आयेगा। अब क्या यह अजीब बात नहीं है कि कलीसिया फिर से इस अंधकार की घड़ी में आ चुकी है।

163 मैं यहां पर कुछ तो कहने जा रहा हूं। यह कोई एक सिद्धांत नहीं है। मैं केवल भविष्यवाणी कर रहा हूं। आप जानते हैं, क्या घटित हुआ है? यह जल्द ही एक ऐसे स्थान पर आ रही है, मेरे शब्दों पर ध्यान देना, कि सारी संस्थाएं उस दुनियावी संगठन में जुड़ने जा रही है। यदि वे नहीं जुड़ती है तो उनके पास संगठन से कोई भी सहायता नहीं होगी। इसीलिए वहां पर एक बहिष्कार होना है, और कोई भी इन कलीसियाओ में नहीं जा सकता है और किसी भी कलीसिया में जाता है; जब तक तुम्हारे पास तुम्हारी अपनी कलीसिया का कोई चिन्ह नहीं होता है, आप खरीद और बेच नहीं सकते हैं। आप इसे वैसे ही देखेंगे जैसे यह था, इसलिए यह फिर से होने जा रहा है, पशु के निमित एक छाप। और कलीसिया, वो समझ रही है, यह आत्मिक लोग हैं।

164 और आप जो पेंतिकोस्टल लोग हैं, कैसे भी, इसे पहचान रहे हैं। आपने इसे अनुभव करना आरंभ कर दिया है। जब आपकी कलीसियाये, बहुत सी पेंटेकोस्टल संस्थाए; मुझे आपका नाम नहीं लेना चाहिए, लेकिन आप ठीक अभी जानते हैं कि वे इसके अंदर आ रहे हैं। उन्होंने साक्षी को दिया है कि वे थे। और जब आप ऐसा करते हैं, आप यह होने के लिए क्या करने जा रहे हैं? आप ऐसा करने पर, अपने पवित्र आत्मा के बप्तिस्मा के सुसमाचारक शिक्षा को गवाने जा रहे है। आप ऐसा करने पर आप बाइबल के सिद्धांत को खोने जा रहे हैं।

165 और वे सदस्य इसके लिए नहीं खड़े होंगे। पहले तो, सच्चे फिर से जन्म पाए हुए मसीही, मर जाएंगे। उन्हें वचन के द्वारा चेतावनी मिली है। वे जानते हैं कि यह बात आने वाली है। जी हां, श्रीमान।

166 और क्या यह अजीब बात नहीं है? और ठीक इस घोर अंधकार की घड़ी में तब उसी दौरान यीशु आता है और उन्हें बुलाता है, कहा, "डरो मत, यह मैं हूं। मैं अब भी तुम्हारे साथ हूं। मैं यहाँ अपने वचन को जाहिर करने के लिए हूँ।" जैसे वो तब था, वैसे ही वो अभी है। उसने कहा वो इसे करेगा। ओह, प्रभु! गुरु ने आकर और आपको बुलाया है।

167 बहुत से यहां बीमार लोग हैं, कोई संदेह नहीं, कि वे यहां पर बैठे हुए हैं, और डॉक्टर ने बताया है तुम्हारे लिए कोई आशा नही—नहीं है। आप हो सकता है घोर अंधकार की घडी में होंगे, लेकिन, याद रखना, गुरु ने आकर और आपको बुलाया है।

168 और किसी दिन, किसी दिन, वो गुरु आकर और हर एक नाम को पुकारेगा, जिनका नाम मेमने की जीवन की किताब में लिखा है। यदि आपका वहां पर नहीं है तो अभी उस पर आ जाएं, क्योंकि वो आकर और पुकारेगा। यहां तक कि उन्हें जो कब्र में है उसकी आवाज को सुनेंगे और जीवन के लिए आगे आ जाएंगे। वो गुरु आयेगा और आपको बुलाएगा। और जबकि वह आज बुला रहा है, उत्तर देना और उस दिन के लिए तैयारी करना यह मेरी आपके लिए सलाह है।

169 इस युग की प्रतिज्ञा, उसने प्रतिज्ञा की है कि वो यहां पर होगा। जो काम उसने किए, वह फिर से करेगा, और अब फिर से वो गुरू आया है और आपको बुलाता है।

170 आइए अपने सिरों को झुकाए। मेरे पास यहां पर छह पन्ने और रखे हुए हैं, लेकिन मैं अब उस पर नहीं जाऊंगा। आइए अपने सिरों को झुकाए। मैंने आपको वादा किया है कि मैं आपको जल्दी जाने दूंगा और लगभग यह पहले से ही पैतालीस मिनट हो चुके हैं।

171 स्वर्गीय पिता, ओ प्रभु, इसे फिर से घटित होने दीजिए। यह सारी बातें जो मैंने कही है, "यीशु आकर और तुझे बुलाता है।" वह क्या करता है, जब वो आता है? वो बुलाता है। और इसे फिर से होने दीजिए, प्रभु। आपका पवित्र आत्मा आज रात लोगों के बीच में आ जाए, प्रभु यीशु आत्मा के—के रुप में। आज रात को वो आकर और अपने आप को प्रकट करें, और अपने आप को जाहिर करें। जैसे वे लोग, किस तरह उन्होंने विश्वास किया, हम भी विश्वास करेंगे, प्रभु। यहां पर बहुत से हैं, हो सकता है, उन्हें कभी भी यह मौका नहीं मिला हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उनके लिए आज रात इसे फिर से प्रदान करेंगे। क्योंकि हम इसे परमेश्वर की महिमा के लिए, यीशु के नाम से मांगते हैं। आमीन।

172 यही सही है, बहन, लेकिन इसी के साथ आप आगे बढ़ना। यह सही है। ठीक आप आगे बढ़े। ओह, बहुत ही जल्दी से, हर एक जन।

173 क्या आप विश्वास करते हैं, वह आ चुका है? वह आया है। क्या वह अब भी बुला सकता है, जब वह आता है? यदि आप अभी केवल विश्वास करें। यदि आप बस परमेश्वर के वचन पर विश्वास करें, परमेश्वर इसे प्रदान करेगा।

174 अब देखे, मेरे पास यहां प्रार्थना की पंक्ति को बुलाने के लिए समय नहीं है। मैं उन्हें आज रात वहां पर बुलाने जा रहा हूं, वहां बाहर, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो। वो गुरु आ चुका है। वह इस अंतिम दिनों में उसके वचन को पूरा करने के लिए आया है। और जो वह तब था, वही आज है। जो उसका प्रगटीकरण या जो पहचान तब थी, ये आज है क्योंकि वह अब भी परमेश्वर का वचन है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] और परमेश्वर का वचन ही विचारों को जांचने वाला है, हृदय को परखने वाला है। और जिस तरह से उसने तब किया, वह उसी तरह से हमेशा ही करता आया है। वह अब भी वैसा ही है। यदि वह ठीक अभी वैसा ही करता है तो आप उस पर विश्वास करेंगे? क्या यह आपको उस पर विश्वास करने को लगाएगा?

175 आप लोग अब जो बाहर हैं मुझे पहले देखने दे और देखूंगा यदि कोई वहां पर है, जिसे मैं जानता हूं, यहां कही तो बैठा हुआ हो, जिसे मैं जानता हूं।

176 हर कहीं पर, ऊपर *यहां,* जो मुझे नहीं जानता हो, अपने हाथों को ऊठाये; आप जानते हैं कि मैं आपके बारे में कुछ भी नहीं जानता हूँ, और आप बीमार हैं अपने हाथों को ऊपर उठाएं। मैं सोचता हूं हर एक जन। तो ठीक है, अब आप विश्वास करे। आप केवल पूरे हृदय से विश्वास करें। संदेह न करें। भरोसा रखें। परमेश्वर पर विश्वास करें।

177 मैं आपसे कहना चाहूंगा कि आप शांत बैठ जाएं। अब यहां–वहां ना ताके, कृपया ऐसा न करे। समझे? समझे? आप एक—एक प्राण, शरीर और आत्मा हैं। और आपकी आत्मा... और पवित्र आत्मा सचमुच में संकोचशील है।

178 कितने लोगों को याद है, बहुत वर्ष पहले, वो पवित्र आत्मा जब मैंने यहां पर आकर और आपको कहा था? जब मैंने लोगों को हाथों से पकड़ा, उन्होंने मुझे बताया था, यह परखकर और फिर आगे बताना है? आपको यह याद है, यह बात याद है? लेकिन उसने कहा, "तुम लोगों को अपने ऊपर विश्वास करने को लगाते हो? आपको वे दिन याद है, बहुत वर्ष पहले की बात है? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] आपको उसे विश्वास करना है।

179 मैंने एक मनुष्य को देखा है, मैं सोचता हूं, ये यहां नीचे था, उस दूसरी सभा में, ठीक वहां पर बैठा हुआ था। और पवित्र आत्मा... मैं उसे देखते

आ रहा हूं, जब मैं प्रचार कर रहा था। वह एक अपाहिज व्यक्ति था। उसके बाहों के नीचे बैसाखियां थी। और जैसे ही, जब मैंने पुकार करना आरंभ किया, शैतान उसके पास आया, जो एक काली छाया थी। और मैंने इसे खुद अपनी आंखों से देखा है। वह उठ कर खड़ा हुआ और बाहर चला गया। वह हमेशा के लिए अपाहिज रहेगा, देखना। और, इसलिए, वह ठीक वहां पर चंगा हो गया होता था यदि वो केवल—केवल... देखा? लेकिन, बस, मैं नहीं जानता क्यों। मैं सोचता हूं उसने केवल उस शत्रु की बात को ध्यान दिया। लेकिन यदि आप खड़े होकर और उन छाया को देखते हैं, उन चीजो को उस रूप में देखते है, जिस तरह से वे हैं, और उन्हें देखते हैं कि वे कैसे करते हैं। देखा, ऐसे होना है...

180 अब मैं चंगाई नहीं दे सकता हूं। वह मनुष्य जो आपको बताता है कि वह आपको चंगाई दे सकता है, वह मनुष्य गलत है। आप पहले से चंगे हो गए हैं। लेकिन इसे यीशु मसीह की उपस्थिति को पहचानना है। अब यदि मार्था जानती थी कि यदि वह उसे फिर से देख सकती है, जो उसकी इच्छा रही थी क्योंकि वह प्रकट हुआ वचन था, क्या हम आज रात इतना विश्वास नहीं कर सकते हैं, इसे विश्वास करने के लिए? निश्चय ही, हमें करना चाहिए। वह आया है। वह आ चूका है। वह पवित्र आत्मा के रूप में आ चुका है। यही वह, वो है। अब आप केवल प्रार्थना करें।

181 देखो, यहां पर, यदि मेरे पास यहां पर कोई तो खड़ा हुआ है, ठीक यहां मेरे पास में, बस—बस प्रार्थना करते रहें; देख रहा हूं, बहुत से लोग प्रार्थना कर रहे हैं, यह सारी इमारत में है। आपको केवल इसे देखना है। आप यह नहीं कह सकते हैं, "कहे, भाई ब्रन्हम... " नहीं श्रीमान। मैं इसे नहीं कर पाऊंगा। परमेश्वर आपको सपने में मेरे बारे में सपना दे सकता है, आप विश्वास करते हैं, लेकिन आप इसे अपने आप से नहीं कर सकते हैं। आप यह नहीं कह सकते हैं, "भाई ब्रन्हम अब मैं आपके सपने के लिए सपना देखूंगा।" नहीं, आप यह नहीं कर सकते हैं। ना ही मैं एक दर्शन को देख सकता हूं। कभी किसी ने आपको एक सपना दिया है, यही वह एक है, जिसे इसे करना है। इसी तरह से यह एक दर्शन के द्वारा होता है।

182 मैं एक मनुष्य को ठीक यहां पर अंतिम कतार पर देखता हूं, जिसे गठिया रोग है। यदि वो अपने पूरे हृदय के साथ विश्वास करेगा, परमेश्वर उसे गठिया रोग से चंगाई देगा। क्या आप विश्वास करते हैं, श्रीमान वह

इसे करेगा? वो वहां पर बैठा हुआ है, जो मेक्सिको का रहने वाला है, अंतिम कतार में बैठा हुआ है, क्या इसे तुम विश्वास करोगे? तो ठीक है, श्रीमान।

183 वह महिला जो आपके पास बैठी है, उसे भी गठिया रोग हुआ है। क्या आप विश्वास करती हैं, महिला, परमेश्वर आप को चंगा करेगा? (क्या *इससे* आवाज़ गूंज रही है? मैं डरता हूं, लोग इसे नहीं सुन पाते है) क्या आप करती हैं? अच्छी बात है।

184 उस दुसरी छोटी महिला के बारे में क्या है, जो ठीक उसके पास ही बैठी है? वह एक पेट की समस्या से पीड़ित है। क्या आप विश्वास करती हैं परमेश्वर आपके पेट को चंगाई देगा, महिला?

185 उसने उसे पा लिया। जब मैं उस उजाले को नीचे जाते हुए देखता हूं इसका मतलब यह घटित हुआ है। जी हां। वहां पर था वो, गोल चक्करदार घूमते हुए... [टेप में रिक्त स्थान—सम्पा।]... यही इसे करता है। देखा? जब वह विश्वास को पा सकता है! देखो, "बहुत सी बातें वह नहीं कर पाया, क्योंकि उनके पास अविश्वास था।"

186 यहां एक महिला बैठी हुई प्रार्थना कर रही है, ठीक यहां पर। वह डरी हुई है। उसे होना चाहिए। उसको बहुत ही बुरी तरह से एक कैंसर की समस्या है। मैं आपको नहीं जानता हूं, लेकिन परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर मुझे आप के कैंसर के बारे में या किसी और चीज के बारे में बता सकता है? मेरी ओर देखें। वहां पर बहुत से लोग प्रार्थना कर रहे हैं, आप देखना, यह मैं इसके लिए कह रहा हूं। हमारी और देखें। अब, हां, आप यहां से नहीं है, आपका घर यहाँ नहीं है। आप उस स्थान से हैं जो पोर्टरविल्ले कैलिफोर्निया कहलाता है। यह सही है। क्या आप विश्वास करती हैं परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं? वो जानता है। आपका नाम श्रीमती विनथम है। यह सही है। अब विश्वास करें, और कैंसर आपको छोड़ कर चला जाएगा। यदि आप विश्वास कर सकते हैं! यही सब परमेश्वर आपसे करने के लिए कहता है। यदि तुम विश्वास कर सकते हो तो!

187 क्या आप अपने पूरे हृदय से विश्वास नहीं करते हैं? कुछ लोग *यहां* इस भाग में है, क्या आप विश्वास नहीं कर सकते हैं? गुरु ने आकर और

आपको बुलाया है। वह आपको मृत्यु से जीवन के लिए बुला रहा है, बीमारी से अच्छी सेहत के लिए।

188 यहां पर ठीक पीछे एक मनुष्य बैठा हुआ है, सिर को झुका कर प्रार्थना कर रहा है। वह वास्तव में अपने लिए प्रार्थना नहीं कर रहा है, वह किसी और के बारे में प्रार्थना कर रहा है। यह एक—एक लड़की है। यह उसकी बेटी है। क्या आप विश्वास करते हैं, श्रीमान? आपके पैरों में कोई तकलीफ है। आपके घुटनों में तकलीफ है। यह सही बात है। रोने की आवश्यकता नहीं है, यह वही है जो आपके पास खड़ा है। आपकी बेटी एक अस्पताल में हैं, क्या ऐसा नहीं है? ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी) की बीमारी है। आप विश्वास करे। आप विश्वास करते है? गुरु आया है और उसे बुलाता है। उसका पिता होने के नाते, आप विश्वास करेंगे? आप करेंगे? होने पाए, वो आज रात उससे भेंट करें और आपसे भेंट करे। यह समाप्त हो जाए।

189 यहां पर एक छोटा लड़का, छोटा सा भूरे चेहरे का लड़का है। वो एक चमड़ी की बीमारी से पीड़ित है, और उसे अस्थमा है, एक छोटा सा मैक्सिकन लड़का वहां पर बैठा हुआ है। वो यहां से नहीं है। वह सन जोस से है। क्या आप विश्वास करते हैं, पुत्र? एक और चीज, आपके पिता जो यहाँ आपके साथ हैं। वो एक सेवक हैं। यह सही बात है। क्या आप विश्वास करते हैं परमेश्वर मुझे बता सकता है आपका नाम क्या है? क्या यह आपको विश्वास में वास्तव में मजबूत करेंगा? आपका नाम रुबेन है। अब विश्वास करें। हु–हूम। परमेश्वर आपको चंगा करेगा।

190 वह गुरु आया है और आपको बुलाता है। ओह पापी, बीमार व्यक्ति, क्या तुम गुरु को एक मनुष्य जाति में प्रकट होते हुए विश्वासियों के बीच में नहीं देखते हो? वह यहां आया है ताकि उसके विश्वास करने वालों बच्चों को चंगाई दे। वह आया है ताकि पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाए। जो पीछे हटे हुए, कलीसिया के सदस्य हैं, गुरु आया है और आप को बुलाता है।

191 क्या आप इसे विश्वास करते हैं? क्या आप इसे ठीक अभी आपकी आवश्यकता के लिए विश्वास करते है? यदि आप करते हैं तो अपने हाथों को उठाकर कहें, "मैं मेरी आवश्यकता के लिए विश्वास करता हूं।" तब अपने पैरों पर खड़े होकर और इसे स्वीकार करें। वह गुरु आया है और आपको बुलाता है। और आप जो कोई भी हैं, आपकी जो भी पाने की

आवश्यकता है, वो गुरु आया है और वो आप को बुलाता है। वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

192 वह छोटी महिला शहर के अंदर चली गई और कहा, "आओ एक मनुष्य को देखो, जिसने मुझे बताया कि क्या गलत था।" आप शहर के अन्दर नहीं गए। आपने खुद ही आकर और इसे देखा है, इसलिए गुरु आता है और आपको बुला रहा है।

193 अपने हाथों को उठाएं और उसकी स्तुति करें, और कहे, "प्रभु यीशु, मैं एक पापी हूं; मुझे क्षमा कीजिए। मैं एक पीछे हटा हुआ हूं; मुझे वापस ले लीजिए, प्रभु। मुझे पवित्र आत्मा की आवश्यकता है; मुझे भर दीजिए। मैं बीमार हूं; मुझे चंगाई दीजिए। मैं अपाहिज हूं; मुझे ठीक कर दीजिए।" गुरु आया है और आपको बुलाता है। अब अपने हाथों को ऊपर उठा कर और उसको स्तुति दे। आमीन।

194 (यहां पर मुझे थोडा स्वर देना, "मैं उसकी स्तुति करूंगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा।" आप जानते हैं? *मैं उसकी स्तुति करूंगा*। आप इस गीत को जानते हैं, क्या नहीं जानते?)

क्या आप विश्वास करते हैं?

मैं उस की स्तुति करूँगा, मैं उनकी स्तुति करूंगा,
ओह, स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात हुआ;
उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया है।

195 उससे प्रेम करते हैं? अब क्या आप उसके लिए गाना पसंद नहीं करेंगे जब कि वो यहां पर है? वह एक आत्मा है जो इस इमारत के चारो ओर मंडरा रहा है। वो आपके हृदय को जानता है, आपके बारे में सब जानता है। आइए उसके लिए गायेंगे, अपने पूरे हृदय से।

मैं उस की स्तुति करूँगा, (जब आप इसे करते है अपने हाथों को उठाये), मैं... (अब केवल उसे स्तुती दे)...
उसकी स्तुती करूँगा,

ओह, स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात
हुआ,
ओह, उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया
है।

196 ओह, महिला जो तुम व्हील चेयर हो, यदि तुम ठीक वहां पर थोड़ा और विश्वास करो, "मैं... " आइए एक बार और कोशिश करें। मैं कुछ बात पर रुका हुआ हूं।

मैं उसकी स्तुति करूँगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा,
स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात हुआ;
उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया
है।

197 अब जबकि हम इसे फिर से गाते हैं, घूमकर किसी से हाथ को मिलाये, जब हम इसे गाते हैं, गायेंगे, "मैं उसकी स्तुती करूंगा।" आओ अब हम सब एक साथ मिलकर गाये।

मैं उस की स्तुति करूँगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा,
स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात हुआ;
उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया
है।

198 ओह, पापी मित्रों, क्या तुम अब यहां पर चलकर नहीं आओगे? यहां आओ और उसको स्तुति दो, तुम सारे लोगों जो उसे उद्धारकर्ता की नाई स्वीकार करना चाहते हैं। उसकी उपस्थिति में, जबकि संत लोग आत्मा में आराधना कर रहे हैं, क्या आप यहां पर आकर नहीं खड़े होंगे? कहे, "मैं आज रात उसका प्रमाण देना चाहता हूं। मैं उसे स्तुति देना चाहता हूं। मैं आना चाहता हूँ। मैं उससे लज्जित नहीं होता हूं। मैं चाहता हूं संसार जाने कि मैंने उसे उद्धारकर्ता की नाई स्वीकार किया है, ठीक यहां पर जब वो उपस्थित है।" और जब हम इसे गाते हैं।

मैं उस की स्तुति करूँगा, (क्या आप नहीं आना
चाहेंगे?) मैं उसकी स्तुति करूंगा,
ओह, स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात
हुआ;
ओह, उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया
है।

199 ओह, यह ठीक है, महिला, आगे आ जाये। और कौन आएगा, मसीह की उपस्थिति में? आप ठीक यहां पर आ जाए, बहन, यहां खड़े हो जाए।

200 कोई और व्यक्ति जो उसे अपना उद्धारकर्ता बनना चाहता है, ठीक अभी, जो लज्जित नहीं होता। उसने कहा, "यदि तुम मनुष्य के सामने मेरे लिए लज्जाते हो, मैं मेरे पिता और पवित्र दूतों के सामने तुम्हारे लिए लज्जाऊंगा।" यदि आप उससे लज्जित नहीं होते हैं, और आप उसे अपना उद्धारकर्ता बनाना चाहते हैं, जबकि वो यहां पर है! आपने उसे देखा है। यह इतना सिद्ध है कि वचन इसे ज्ञात करवाता है। आ जाओ, जब वे संत आराधना कर रहे हैं। क्या आप यहां नहीं आना चाहेंगे?

201 परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। यहां एक बुढ़ी महिला आ रही है, वह बहुत ही बुढ़ी अवस्था में हैं। क्या आप अभी नहीं आना चाहोगे?

मैं... (अब इसे गाये)... मैं उसकी स्तुति करूँगा...

202 यह सही है, जवान झुंड, यहां इर्द–गिर्द आ जाए। केवल स्तुति करें। परमेश्वर आपको आशीष दें, महिला। इसी तरह से इसे करना है। परमेश्वर आपको आशीष दे, जवान लोगों।

... पापियों के लिए घात हुआ;
ओह, उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया
है।

203 जब वे सेवक लोग इन लोगों के पास जा रहे हैं, अब क्या कोई और भी आना नही चाहेगा? जो पीछे हटे हैं, क्या आप आकर और कहेंगे, "मैं अपने जीवन से शर्मिंदा हूं? " वो यहां पर है। आप मुझे परमेश्वर के सेवक होने का विश्वास करते हैं? अपने हाथों को उठाए। क्योंकि, यीशु मसीह हमारे बीच में है। क्या आप नहीं आना चाहेंगे?

उसे महिमा दें... (आप उसे महिमा देने के लिए नहीं
आएंगे?)... लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने धो दिया है...

204 मार्था, क्या तुम आ रही हो या क्या तुम मरियम के साथ घर पर बैठोगी? क्या तुम वापस वहां किसी संस्था के साथ बने रहना चाहती हो, और कहोगी, "ओह, मेरी कलीसिया इसे इस तरह से विश्वास नहीं करती है," जब मसीह प्रकट बना था? क्या आप वापस ऐसे ही बैठकर और यह कहेंगे या आप बाहर आ रहे हैं? "तो ठीक है, मैं आपको बताऊंगा, जब मैं... " नहीं। आज, यही वह घड़ी है। याईर की बेटी की नाई मृत्यु आपके इर्द–गिर्द लटक रही है।

205 अब आ जाओ! जो पीछे हटे हैं, अब आ जाओ। पापीओ, अब आ जाओ। यही वो समय है। गुरु आया है और वह आपको बुलाता है। वह आपको बुला रहा है। आप कहते हैं, "मैं कैसे जानूंगा? " वो मेरी आवाज का इस्तेमाल कर रहा है। यदि वो मेरी इस आवाज का इस्तेमाल करके, बीमारी, पीड़ाओं और इत्यादि को बताता है, क्या आप नहीं जान रहे हैं कि वो आपके पापो को भी दिखा रहा है? बाहर आ जाओ! आ जाओ, यह हो सकता है, आप के लिए अब तक का आखिरी मौका होगा।

206 एक बार फिर, यहां पर और लोगो को होना चाहिए, मित्रों। मैं आपको उलझन में नहीं डालना चाहता, इस तरह से आपको बाहर बुलाने के लिए। यह सही नहीं है। यदि कभी आप हो सकता है... उन फरीसीयो ने सोचा कि वे बचे हुए हैं, लेकिन वे बचे हुए नहीं थे। आप भी वैसे ही सोच रहे हैं। अब आ जाओ।

207 निश्चय हो जाओ! नहीं, नहीं, केवल इस पर, बीच में अवसर नहीं आने देना। यदि वहां आपके मन में थोड़ा भी संदेह है, कोई अवसर नहीं लेना। अब आगे बढ़ो। अब वह समय है, अभी जबकि वो झरना खुला हुआ है, जबकि पवित्र आत्मा यहां पर है। गुरु आया है। वो छोटा सा संदेह ही है, जो आपको बताने की कोशिश कर रहा है "तुम संदेह कर रहे हो।" इसे छोड़ दो। अब आगे बढ़ो। गुरु आया है और आपको बुलाता है। यह सही है, केवल आते रहे, ठीक आगे बढते रहें।

मैं उस की स्तुति करूँगा, मैं उस की स्तुति करूँगा
(क्या आप आकर उसे स्तुती नहीं देंगे?)
स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात हुआ;
उसे महिमा दो, तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने हर एक धब्बो को साफ कर दिया है।

208 अब जबकि पापी आ रहे हैं, ताकि उसे अनुरोध करें; लोग उसे स्तुति दे, जैसे हम अब इसे गाते हैं। अपने हाथों को ऊपर उठाते हुए, उसकी स्तुति के लिए गाये, अब सब एक साथ मिलकर।

मैं उस की स्तुति करूँगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा,
स्तुती हो मेमने की जो पापियों के लिए घात हुआ!

209 केवल उसे स्तुति दे! आप लोग जो यहां पर हैं, प्रार्थना करें, उसे मांगे ताकि वह आपको क्षमा करें। यही है जो वह करेगा। गुरु आया है और आपको बुलाता है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

तब यीशु ने आकर और बुलाया HIN64–0213

(Then Jesus Came And Called)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में गुरुवार शाम, 13 फरवरी, 1964 को एल्रियोट आडोटोरियम, तुलारे, कैलिफ़ोर्निया, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org